▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 328 ▸▸ मुंबई, बुधवार, 4 फरवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

अनुभव की कमी के कारण मुख्यमंत्री ने संभाला वित्त विभाग

अजित पवार के असामयिक निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन वित्त विभाग की जटिलताओं और बजट तैयार करने की कठिन प्रक्रिया को देखते हुए यह विभाग मुख्यमंत्री ने अपने पास ही रखा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि सुनेत्रा पवार अभी सरकार के कामकाज में नई हैं और बजट निर्माण का अनुभव न होने के कारण, राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेताओं से चर्चा के बाद ही उन्होंने वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने का निर्णय लिया।

'लाडकी बहिन योजना' और खजाने पर बढ़ता दबाव

समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के कारण राज्य की तिजोरी पर पहले से ही काफी दबाव है। ऐसे में कई विभाग मार्च एंडिंग के डर से आवंटित निधि को जल्दबाजी में खर्च करने की कोशिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए अनावश्यक व्यय पर अंकुश लगाने के लिए 15 फरवरी की समयसीमा तय की है, ताकि सरकारी धन का दुरुपयोग रोका जा सके और वित्तीय संतुलन बना रहे।

अगले वर्ष के लिए एडवांस स्टॉक पर भी रोक

आदेश में यह भी कहा गया है कि कार्यालय के दैनिक उपयोग की वस्तुओं की सीमित खरीद तो की जा सकती है, लेकिन अगले वित्तीय वर्ष की जरूरतों को ध्यान में रखकर अभी से 'एडवांस स्टॉक' जमा करने के उद्देश्य से की जाने वाली किसी भी खरीद पर सख्त पाबंदी रहेगी। यह आदेश सुनिश्चित करेगा कि चालू वर्ष का बजट केवल वास्तविक और तत्काल आवश्यक कार्यों के लिए ही उपयोग किया जाए।

फंड मैनेज करने की रणनीति या भारी वित्तीय बोझ

सरकार ने कसी खर्चों पर नकेल

▸▸ 15 फरवरी के बाद नई सरकारी खरीद पर पाबंदी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की अति-महत्वाकांक्षी 'लाडकी बहिन योजना' के कारण सरकारी खजाने पर बढ़ते दबाव ने प्रशासन को खर्चों में भारी कटौती करने पर मजबूर कर दिया है। दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बाद वित्त विभाग की कमान संभाल रहे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) के अंतिम चरण के लिए सख्त वित्तीय निर्देश जारी किए हैं। वित्त विभाग के नए परिपत्र (सर्कुलर) के अनुसार, 15 फरवरी 2026 के बाद किसी भी नई खरीद या गैर-जरूरी खर्च के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी जाएगी। यह निर्णय वित्तीय वर्ष के अंत में होने वाली अंधाधुंध खरीदारी और बजट खपत को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है।

फर्नीचर, कंप्यूटर और वर्कशॉप्स पर रोक

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, 15 फरवरी के बाद से फर्नीचर, कंप्यूटर, जेरॉक्स मशीन और अन्य कार्यालय उपकरणों की खरीद पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इसके साथ ही सरकारी खर्च पर होने वाली कार्यशालाओं और मरम्मत कार्यों के प्रस्तावों को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन परियोजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन उनकी निविदा प्रक्रिया 15 फरवरी तक शुरू नहीं हुई है, उन्हें अब अगले वित्त वर्ष तक रोक दिया जाएगा। अग्रिम स्टॉक जमा करने की मंशा से की जाने वाली किसी भी खरीद पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

कैश फ्लो के प्रबंधन पर सरकार का ध्यान

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सभी विभागों को उपलब्ध निधि का नियोजन 'कैश फ्लो' (नकद प्रवाह) को ध्यान में रखकर करना चाहिए। अक्सर देखा गया है कि साल के आखिरी दो महीनों में विभाग बड़े पैमाने पर खर्च करते हैं। इस प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के लिए यह प्रतिबंध सभी प्रशासनिक विभागों, सरकारी निगमों, अनुदानित संस्थाओं और स्थानीय निकायों (शहरी व ग्रामीण) पर समान रूप से लागू किया गया है।

दवाइयों और जन-कल्याणकारी योजनाओं को पाबंदी से राहत

वित्तीय सख्ती के बावजूद, सरकार ने आम जनता से जुड़ी आवश्यक सेवाओं को इस प्रतिबंध से बाहर रखा है। अस्पतालों में मरीजों के लिए दवाइयों की खरीद निर्बाध रूप से जारी रहेगी। इसके अलावा केंद्र सरकार और विदेशी सहायता प्राप्त प्रोजेक्ट्स पर यह आदेश लागू नहीं होगा। विधायकों की स्थानीय विकास निधि और जिला वार्षिक योजनाओं पर वित्त विभाग मामले की गंभीरता के आधार पर निर्णय लेगा। यह आदेश 31 मार्च 2026 तक सभी सरकारी निगमों, निकायों और अनुदानित संस्थाओं पर प्रभावी रहेगा।

सुनेत्रा पवार बनीं पुणे और बीड की नई पालक मंत्री

एजेंसी । मुंबई/पुणे

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार (3 फरवरी) को उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें पुणे और बीड जिलों का नया संरक्षण मंत्री नियुक्त किया है। ये दोनों महत्वपूर्ण जिले पहले उनके पति और दिवंगत नेता अजित पवार के प्रभार में थे। बारामती विमान हादसे में अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद, सुनेत्रा पवार न केवल उपमुख्यमंत्री बनी हैं, बल्कि अब वे उन जिलों के विकास कार्यों की कमान भी संभालेंगी जहाँ अजित दादा का गहरा प्रभाव था। सुनेत्रा पवार को कैबिनेट में पहले ही राज्य उत्पाद शुल्क, खेल व युवक कल्याण और अल्पसंख्यक विकास विभाग सौंपे जा चुके हैं। हालांकि, अजित पवार के पास मौजूद सबसे महत्वपूर्ण

'वित्त व नियोजन मंत्रालय' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने पास रखा है। पुणे और बीड दोनों जिले राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील हैं। सुनेत्रा पवार के सामने मुख्य चुनौती पुणे में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को शुरू करवाना और बीड में राजनीतिक समीकरणों को संभालना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

रोहित पवार की 'राजनीति' न करने की अपील

इस बीच, अजित पवार के भतीजे और राकांपा (SP) विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा की है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और समर्थकों से अपील की है कि वे इस दुखद समय में राजनीतिक बयानबाजी और अटकलों से दूर रहें। रोहित पवार ने लिखा, 'अजित दादा के निधन का दुख किसी भी राजनीतिक बहस से कहीं बड़ा है। पवार परिवार के सदस्य के नाते मेरा अनुरोध है कि अभी ऐसी चर्चाओं से बचें जो उनके विचारों या बेबाक स्वभाव के विरुद्ध हों।'

विदा हो रही है ठंड

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

▸▸ फरवरी की शुरुआत में ही बढ़ा पारा, मुंबई समेत कई हिस्सों में गर्मी शुरू

▸▸ अगले 5 दिनों में 3 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान; रत्नागिरी में दर्ज हुआ सबसे अधिक तापमान

महाराष्ट्र में ठंड का प्रभाव अब धीरे-धीरे कम होने लगा है और राज्य के कई हिस्सों में गर्मी ने दस्तक दे दी है। फरवरी के पहले हफ्ते में ही न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिसके कारण दोपहर के समय लोगों को उमस महसूस होने लगा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, अगले चार से पांच दिनों में राज्य के अधिकतम तापमान में 2 सेल्सियस से 3 सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे गर्मी का अहसास और अधिक बढ़ेगा।

कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में चढ़ा पारा

पिछले कुछ दिनों से राज्य के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बुधवार सुबह कोकण के कुछ हिस्सों में हल्की ठंड महसूस की गई, लेकिन दोपहर होते-होते तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को रत्नागिरी में राज्य का सर्वोच्च अधिकतम तापमान 34.7C दर्ज किया गया। वहीं, यवतमाळ में न्यूनतम तापमान 13C रहा, जो राज्य में सबसे कम था। मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के जिलों में भी तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

मुंबई में गर्मी के साथ 'धुंध' का कहर

मुंबई और इसके उपनगरों में न केवल गर्मी बढ़ रही है, बल्कि 'धुंध' (Smog) के कारण दृश्यता (Visibility) भी कम हो गई है। पूरे शहर में धुरके का साम्राज्य दिखाई दे रहा है, जिसका सीधा असर वायु गुणवत्ता पर पड़ रहा है। 'समीर' ऐप के अनुसार, मंगलवार को मुंबई का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 140 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। सांताक्रुज मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 20C और अधिकतम तापमान 32.7C के आसपास बना हुआ है। मुंबईकरों को फरवरी की शुरुआत में ही दोपहर के समय धूप की चुभन महसूस होने लगी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार को शहर में बादल छाए रहने और धुरकट वातावरण के बीच अधिकतम तापमान 34C तक जा सकता है। पिछले हफ्ते उत्तर कोकण, मुंबई और रायगढ़ के कुछ हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश के बाद अब उमस बढ़ गई है।

समीर वानखेड़े को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत

एजेंसी । नई दिल्ली/मुंबई

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय राजस्व सेवा (IRS) के अधिकारी समीर वानखेड़े को मुंबई की अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी है। यह मामला शाहरुख खान के स्वामित्व वाली 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' द्वारा निर्मित वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से जुड़ा है। जस्टिस विकास महाजन की पीठ ने वानखेड़े की अर्जी स्वीकार करते हुए सभी पक्षकारों को 12 फरवरी को मुंबई के मलाड स्थित दीवानी अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है।

क्षेत्राधिकार के चलते दिल्ली से मुंबई शिफ्ट

समीर वानखेड़े का आरोप है कि वर्ष 2021 के चर्चित क्रूज ड्रग्स मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए यह वेब सीरीज बनाई गई है। उनका दावा है कि आर्यन खान द्वारा लिखित और निर्देशित इस सीरीज में उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया गया है और उनकी छवि धूमिल करने के लिए मानहानिकारक सामग्री का उपयोग किया गया है।

2 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग

समीर वानखेड़े ने अपनी याचिका में मानहानि की कार्यवाही के साथ-साथ दो करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि वे यह केस जीतते हैं और उन्हें हर्जाना मिलता है, तो वे उस पूरी राशि का उपयोग स्वयं के लिए नहीं करेंगे।

सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी ▸ कोंकण रेलवे आरपीएफ की मुस्तैदी

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत सुरक्षित बचाए गए 98 नाबालिग बच्चे

ऑपरेशन अमानत के जरिए लौटाया गया 1.22 करोड़ का सामान

डीबीडी संवाददाता । रत्नागिरी/नवी मुंबई

कोंकण रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने पिछले एक साल में सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के मोर्चे पर मिसाल कायम की है। कोंकण रेलवे के सीपीआरओ सुनील नारकर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आरपीएफ की सतर्कता के चलते 98 नाबालिग बच्चों को गलत हाथों में जाने से बचाया गया है। आरपीएफ ने न केवल रेलवे परिसरों में अपराधों पर अंकुश लगाया, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए यात्रियों की सुरक्षा और उनके कीमती सामान की बरामदगी में भी रिकॉर्ड सफलता हासिल की है।

'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' और 'अमानत' की सफलता

बच्चों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आरपीएफ ने 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत उन 98 बच्चों और बच्चियों को रेस्क्यू किया, जो घर से भागकर या किसी कारणवश बिछड़कर ट्रेनों में सवार हुए थे। इन बच्चों को उचित पुनर्वास के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंपा गया। वहीं, 'ऑपरेशन अमानत' के तहत आरपीएफ ने 252 यात्रियों का ट्रेनों में छूटा हुआ सामान ढूंढ निकाला।

अवैध गतिविधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन सतर्क'

अवैध गतिविधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन सतर्क' चलाकर आरपीएफ ने कोंकण रूट पर शराब तस्करी की कमर तोड़ दी है। इस दौरान 10.71 लाख रुपये मूल्य की 6,877 अवैध शराब की बोतलें जब्त की गईं और 65 तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा गया। इसके अतिरिक्त, यात्रियों के सामान की चोरी में शामिल 40 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 48.67 लाख रुपये का माल बरामद किया गया। रेलवे अधिनियम की धारा 141 (बिना कारण चेन पुलिंग) के तहत भी 222 अपराधियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई है।

4 यात्रियों को मौत के मुंह से बाहर निकाला

रेलवे सुरक्षा बल ने केवल अपराधियों को पकड़ने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि संकट के समय 'जीवन रक्षा' पहल के तहत अदम्य साहस का परिचय दिया। चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने के दौरान होने वाले हादसों के समय आरपीएफ कर्मियों ने अपनी जान पर खेलकर 4 यात्रियों को मौत के मुंह से बाहर निकाला। सीपीआरओ सुनील नारकर ने बताया कि कोंकण रेलवे का सुरक्षा बल यात्रियों की सुखद और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे मुस्तैद है।

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की कवायद शुरू

▸▸ 3 साल में पूरी होंगी सभी परियोजनाएं, पारदर्शी भूमि अधिग्रहण पर जोर

▸▸ सीएम फडणवीस का 1 लाख एकड़ भूमि बैंक बनाने का निर्देश

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र को देश का औद्योगिक पावरहाउस बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के भूमि बैंक (Land Bank) को विस्तार देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (MIDC) को निर्देश दिया है कि वैश्विक निवेशकों की बढ़ती मांग को देखते हुए राज्य में 1 लाख एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। वर्षा बंगले पर आयोजित एक समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि बुनियादी ढांचे का विकास और औद्योगिक निवेश साथ-साथ चलना चाहिए ताकि महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। मुख्यमंत्री ने राज्य की कनेक्टिविटी को बदलने वाली बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि शक्तिपीठ एक्सप्रेस-वे और विरार-अलिबाग मल्टीमॉडल कॉरिडोर, नागपुर-गोंदिया, जालना-नांदेड और नागपुर-चंद्रपुर एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को अगले तीन वर्षों के भीतर पूर्ण करने की स्पष्ट

समयसीमा तय की जाए। इन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री ने पारदर्शिता बरतने के भी निर्देश दिए हैं।

औद्योगिक निवेश के लिए नए केंद्रों का उदय

बैठक में यह तथ्य सामने आया कि अब केवल मुंबई-पुणे-नागपुर बेल्ट ही नहीं, बल्कि नासिक, छत्रपति संभाजीनगर और सोलापुर जैसे क्षेत्रों में भी निवेशक भारी रुचि दिखा रहे हैं। वर्तमान में औद्योगिक विकास के लिए 8,969 एकड़ भूमि उपलब्ध है, जबकि 20,431 एकड़ भूमि का नया अधिग्रहण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग को निर्देश दिए कि उद्यमियों को आकर्षित करने के लिए सरकारी भूमि को निःशुल्क हस्तांतरित करने का प्रस्ताव तैयार किया जाए, जिससे निवेश की लागत कम होगी और रोजगार के लाखों अवसर पैदा होंगे।

किसानों और भूमि स्वामियों के हितों की रक्षा सर्वोपरि

मुख्यमंत्री ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भूमि देने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की सरकारी दफ्तरों की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उनके मुआवजे और पुनर्वास की प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी हो। उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत ने भी आश्वस्त किया कि कोंकण जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण के दौरान पर्यावरण का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

वसई-विरार मनपा पर फिर लहराया बविआ का परचम

- 71 वोट पाकर अजीव पाटिल ने मारी बाजी
- मार्शल लोपीस बने उप-महापौर

ओपी यादव । वसई

बहुजन विकास आघाडी (बविआ) ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वसई-विरार की राजनीति में उनका कोई विकल्प नहीं है। मंगलवार को हुए प्रतिष्ठित महापौर चुनाव में बविआ के प्रत्याशी अजीव यशवंत पाटिल ने भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज कर महापौर पद की शपथ ली। अजीव पाटिल ने भाजपा की उम्मीदवार एडवोकेट दर्शना त्रिपाठी-कोटक को पराजित किया। इस जीत के साथ ही वसई-विरार के विकास की कमान अब एक अनुभवी और संगठन के धनी नेता के हाथों में आ गई है।

भाई के बाद अब अजीव पाटिल संभालेंगे शहर की कमान

अजीव पाटिल का इस पद पर चुना जाना उनके परिवार के लिए गौरव का क्षण है, क्योंकि उनके भाई राजीव पाटिल वसई-विरार महानगरपालिका के प्रथम महापौर रह चुके हैं। अजीव पाटिल खुद लगातार तीन बार से नगरसेवक हैं और स्थायी समिति के सभापति के रूप में अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित कर चुके हैं। हितेंद्र ठाकुर के करीबी सहयोगी, संगठन सचिव और पार्टी प्रवक्ता होने के नाते वे लंबे समय से जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं और जनता से जुड़े रहे हैं।

मतदान का गणित: बविआ के पक्ष में एकतरफा फैसला

चुनाव प्रक्रिया के दौरान कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन आंकड़ों में बविआ का पलड़ा भारी रहा। अजीव पाटिल को कुल 71 वोट मिले, जबकि भाजपा की एडवोकेट दर्शना त्रिपाठी-कोटक को 44 वोटों से संतोष करना पड़ा। उनके साथ मार्शल लोपीस को निर्विरोध उप-महापौर चुना गया है। इस दौरान पालघर जिला कलेक्टर इंदुरानी जाखड़ और मनपा आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी की उपस्थिति में चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

सामाजिक और धार्मिक क्षेत्रों में सक्रिय चेहरा

अजीव पाटिल की पहचान केवल एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि एक सक्रिय समाजसेवी के तौर पर भी है। वे विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े रहे हैं, जिसके कारण उनकी पकड़ समाज के हर वर्ग में है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनकी जुझारू छवि और विकास के प्रति उनकी दूरदृष्टि से शहर की लंबित समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

प्रशासन और नेताओं की उपस्थिति में शपथ ग्रहण

महापौर चुनाव के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मनपा मुख्यालय में भारी गहमागहमी रही। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भाजपा, बविआ, कांग्रेस और शिवसेना (शिंदे) के कई वरिष्ठ नगरसेवक मौजूद थे। अजीव पाटिल ने पदभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनसेवा का संकल्प दोहराया। इस जीत के बाद वसई-विरार के कोने-कोने में बविआ कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया।

ठाणे में 'महायुति' का निर्विरोध राज

शर्मिला पिंपोलकर बनीं मेयर, कृष्णा पाटिल को डिप्टी मेयर की कमान

पीठासीन अधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल ने की आधिकारिक घोषणा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका (TMC) में सत्ता के नए समीकरणों के साथ मंगलवार को महापौर और उप-महापौर के पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। इस चुनाव में महायुति का दबदबा कायम रहा और दोनों पदों पर निर्विरोध चयन हुआ। शिवसेना (शिंदे गुट) की शर्मिला पिंपोलकर ठाणे शहर की नई मेयर चुनी गई हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (BJP) के कृष्ण दादू पाटिल को डिप्टी मेयर के रूप में चुना गया है। महापौर चुनाव के लिए मंगलवार सुबह 11:30 बजे ठाणे नगर निगम के 'भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर' सभागार में एक विशेष महासभा आयोजित की गई। इस चुनावी बैठक की अध्यक्षता पीठासीन अधिकारी एवं ठाणे जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल ने की। चुनाव प्रक्रिया के दौरान म्युनिसिपल सेक्रेटरी मनीष जोशी भी उपस्थित रहे। किसी अन्य उम्मीदवार द्वारा नामांकन वापस लेने या मुकाबला न होने के कारण पीठासीन अधिकारी ने पिंपोलकर और पाटिल के निर्विरोध निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की।

कमिश्नर सौरभ राव ने किया स्वागत

निर्वाचन की घोषणा के तुरंत बाद ठाणे महानगरपालिका के कमिश्नर सौरभ राव ने नवनियुक्त मेयर शर्मिला पिंपोलकर और डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल का अभिनंदन किया। उन्होंने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को 'तुलसी का पौधा' भेंट कर उनका स्वागत किया और उनके भावी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महायुति के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया और उन्होंने जमकर नारेबाजी की।

अनुभवी टीम से ठाणे के विकास की उम्मीद

शर्मिला पिंपोलकर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का करीबी माना जाता है, और ठाणे उनका राजनीतिक गढ़ है। वहीं, बीजेपी के कृष्णा पाटिल की नियुक्ति से महायुति के भीतर दोनों दलों के बीच बेहतर समन्वय का संदेश गया है। नई मेयर के सामने अब ठाणे शहर की बढ़ती ट्रैफिक समस्या, क्लस्टर डेवलपमेंट और आगामी मानसून पूर्व तैयारियों जैसी प्रमुख चुनौतियां होंगी।

मीरा-भायंदर में भाजपा राज

डिंपल मेहता दोबारा बनीं मेयर, विपक्ष को मिले मात्र 16 वोट

- ध्रुवकिशोर पाटिल चुने गए उप-महापौर

डीबीडी संवाददाता । मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर नगर निगम (MBMC) में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी बादशाहत बरकरार रखते हुए विपक्षी खेमे को करारी शिकस्त दी है। मंगलवार को हुए चुनाव में भाजपा की वरिष्ठ पार्षद डिंपल मेहता को भारी बहुमत से मीरा-भायंदर का नया महापौर (मेयर) चुन लिया गया। डिंपल मेहता को कुल 79 वोट मिले, जबकि विपक्षी उम्मीदवार रुबीना शेख केवल 16 वोट ही जुटा सकीं। इस जीत के साथ ही भाजपा ने निगम की सत्ता पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है।

मराठी बनाम अमराठी मुद्दे पर भाजपा का कड़ा जवाब

चुनाव से पहले 'मराठी एकता समिति' और कुछ विपक्षी दलों ने मीरा-भायंदर में 'मराठी महापौर' की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने स्पष्ट किया कि डिंपल मेहता का जन्म महाराष्ट्र में हुआ है और उनका परिवार पिछले 70 वर्षों से यहीं रह रहा है। उन्होंने कहा, 'मराठी और अमराठी का मुद्दा केवल लोगों को गुमराह करने के लिए उठाया जा रहा है। हमारी पार्टी के अधिकांश पार्षद खुद मराठी भाषी हैं और जनता ने हमें विकास के नाम पर वोट दिया है।'

ध्रुवकिशोर पाटिल बने उप-महापौर

महापौर के साथ-साथ उप-महापौर पद पर भी भाजपा का ही कब्जा रहा। पार्टी के अनुभवी नेता ध्रुवकिशोर पाटिल को उप-महापौर चुना गया है। चुनाव प्रक्रिया आयुक्त राधामोहन शर्मा और पीठासीन अधिकारी सौरभ कटियार की देखरेख में संपन्न हुई। जीत के बाद कार्यकर्ताओं ने गुलाल उड़ाकर और आतिशबाजी कर जश्न मनाया। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि अब शहर के विकास कार्यों में और तेजी आएगी।

विकास और सुविधाओं पर रहेगा जोर

दूसरी बार महापौर पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद डिंपल मेहता ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य मीरा-भायंदर को नागरी सुविधाओं के मामले में नंबर वन बनाना है। पानी की समस्या का समाधान, सड़कों का चौड़ीकरण और स्वच्छता अभियान उनकी कार्ययोजना के प्रमुख हिस्से होंगे। उन्होंने सभी पार्षदों से अपील की कि वे राजनीति से ऊपर उठकर शहर के विकास में सहयोग करें।

अश्विनी निकम बनीं उल्हासनगर की नई महापौर

- बिनविरोध चुने गए महापौर और उपमहापौर

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

चार वर्षों से अधिक समय तक प्रशासक के अधीन रहे उल्हासनगर महानगर पालिका में आखिरकार लोकनियुक्त सत्ता का नया अध्याय शुरू हो गया है। मंगलवार को रत्नागिरी के जिलाधिकारी मनुज जिंदल और मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले की मौजूदगी में संपन्न हुई चुनाव प्रक्रिया में अश्विनी कमलेश निकम (शिवसेना-शिंदे गुट) को निर्विरोध महापौर घोषित किया गया। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के अमर लंड ने उपमहापौर पद की जिम्मेदारी संभाली। किसी अन्य प्रतिद्वंद्वी द्वारा नामांकन दाखिल न किए जाने के कारण यह पूरी प्रक्रिया बिना किसी विवाद के सर्वसम्मति से संपन्न हुई।

78 नगरसेवकों की मौजूदगी में सत्ता हस्तांतरण

मनपा मुख्यालय के सभागृह में आयोजित इस विशेष बैठक में सभी 78 नवनिर्वाचित नगरसेवक उपस्थित रहे। पिछले चार सालों से शहर की कमान प्रशासकों के हाथ में होने के कारण विकास कार्यों की गति धीमी पड़ गई थी, लेकिन अब जन-प्रतिनिधियों के आने से नागरिकों में नई उम्मीद जगी है। इस निर्विरोध चुनाव ने महानगर पालिका की राजनीति में स्थिरता का संकेत दिया है, जिससे सत्ताधारी महायुति गठबंधन में भारी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

बुनियादी सुविधाओं पर रहेगा विशेष ध्यान

पदभार ग्रहण करने के बाद महापौर अश्विनी निकम और उपमहापौर अमर लंड ने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। उन्होंने विशेष रूप से जल आपूर्ति, सड़कों की मरम्मत, स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने का भरोसा दिलाया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वे प्रशासन के साथ मिलकर एक पारदर्शी और गतिमान कार्यप्रणाली विकसित करेंगे ताकि रुके हुए प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा किया जा सके।

फरिश्ते बनकर आए दमकल कर्मी, ठाणे में टला बड़ा हादसा

- 18 मंजिला इमारत के इलेक्ट्रिक डक्ट में लगी भीषण आग
- 70 लोगों को सुरक्षित निकाला, दो वरिष्ठ नागरिक अस्पताल में भर्ती

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के शास्त्री नगर नाका स्थित 'मिलन हिल' बिल्डिंग में मंगलवार तड़के मौत ने दस्तक दी थी, लेकिन दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन की मुस्तैदी ने एक बड़ी त्रासदी को टाल दिया। ग्राउंड प्लस 18 मंजिला इस इमारत की 10वीं मंजिल पर स्थित इलेक्ट्रिक डक्ट में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते जहरीला धुआं पूरी बिल्डिंग में फैल गया, जिससे 60 से 70 निवासी अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही ठाणे फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन विभाग के जवान 'फरिश्तों' की तरह मौके पर पहुंचे और जान की बाजी लगाकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

करीब 4:14 बजे की है जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। आग लगने के कारण 10वीं से 13वीं मंजिल के बीच धुआं इतना घना हो गया था कि लोगों का दम घुटने लगा। आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी और डिप्टी फायर ऑफिसर प्रशांत मुलिया के नेतृत्व में टीम ने कुछ ही मिनटों में मोर्चा संभाला। दमकल कर्मियों ने ब्रीदिंग अपैरेटस (सांस लेने के उपकरण) और प्रोटेक्टिव गियर पहनकर धुएं से भरी मंजिलों में प्रवेश किया और सीढ़ियों की मदद से एक-एक कर सभी 70 लोगों को नीचे उतारना शुरू किया।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सबसे चुनौतीपूर्ण क्षण वह था जब 10वीं मंजिल के दो फ्लैटों में सात लोग पूरी तरह फंस गए थे। जवानों ने बिना समय गंवाए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना में दो वरिष्ठ नागरिकों को धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ हुई, जिन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात यह है कि वर्तमान में उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि, आग की तपिश से कुछ घरों के सामान को नुकसान जरूर पहुंचा है, लेकिन प्रशासनिक तालमेल के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

आपदा प्रबंधन विभाग के स्टाफ ने बिल्डिंग में तालमेल बनाए रखा और लोगों को पैनिक (घबराहट) से बचाए रखा। सुबह करीब 5:30 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया और कूलिंग ऑपरेशन शुरू किया गया। तड़के हुए इस साहसी ऑपरेशन की पूरे ठाणे शहर में तारीफ हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि इलेक्ट्रिक डक्ट में शॉर्ट सर्किट आग का प्राथमिक कारण हो सकता है, जिसकी विस्तृत जांच की जा रही है।

बिना कानूनी प्रक्रिया के जब्त सोना बेचना असंवैधानिक: कोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग (कस्टम्स) द्वारा की गई एक अवैध कार्रवाई पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति जी. एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आरती साठे की पीठ ने स्पष्ट किया कि कानून के प्रावधानों का पालन किए बिना किसी यात्री का सोना जब्त करना और उसे बेच देना न केवल अवैध है, बल्कि देश के संविधान का भी उल्लंघन है। अदालत ने विभाग को आदेश दिया है कि वह मॉरीशस के नागरिक मोहम्मद शहाद चोय चू को उनके जब्त किए गए 373.700 ग्राम सोने के बदले आज के बाजार भाव (Current Market Value) के अनुसार मुआवजा प्रदान करे।

यह मामला 16 मई 2014 का है, जब याचिकाकर्ता दुबई के रास्ते मुंबई पहुंचा था। उसने हाथ में एक सोने का कड़ा, दो चेन और एक छोटा सिक्का पहना हुआ था। याचिकाकर्ता के अनुसार, ये गहने उसके निजी थे और उनसे उनका गहरा भावनात्मक जुड़ाव था। एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने गहनों के वेरिफिकेशन का हवाला देकर उन्हें उतारने को कहा और भरोसा दिया कि 18 मई को उनकी वापसी यात्रा के समय ये गहने लौटा दिए जाएंगे। अधिकारियों ने 'डिटेंशन मेमो' जारी कर गहने अपनी कस्टडी में ले लिए, लेकिन बाद में उन्हें कभी वापस नहीं किया। अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि सीमा शुल्क विभाग ने सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 80 (Section 80) के तहत 'डिटेंशन मेमो' तो जारी किया था, लेकिन इसके बाद की अनिवार्य कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया। विभाग ने याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने या गहने छुड़ाने का उचित अवसर दिए बिना ही उन्हें बाजार में बेच दिया। कोर्ट ने इसे शक्तियों का दुरुपयोग करार देते हुए कहा कि 'जब्ती का आधार ही कानून की नजर में गलत है।'

अजित पवार विमान हादसा

अनिल देशमुख ने सीआईडी जांच पर उठाए सवाल

हाई कोर्ट के जज से न्यायिक जाँच की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन ने राज्य में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। शिवसेना (UBT) सांसद संजय राऊत के बाद अब एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने भी इस हादसे की निष्पक्षता पर गंभीर संदेह व्यक्त किया है। देशमुख ने राज्य सरकार द्वारा संकेतित CID जाँच को नाकाफी बताते हुए मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जाँच बॉम्बे हाई कोर्ट के वर्तमान जज की देखरेख में होनी चाहिए।

विजिबिलिटी के दावे को बताया 'झूठा', वीडियो का दिया हवाला

अनिल देशमुख ने आधिकारिक बयानों को चुनौती देते हुए कहा कि प्रशासन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा खराब दृश्यता को हादसे की वजह बताना पूरी तरह गलत है। उन्होंने तर्क दिया कि हादसे वाली जगह के उपलब्ध वीडियो को देखने पर स्पष्ट होता है कि मौसम वैसा नहीं था जैसा दावा किया जा रहा है। देशमुख ने कहा, ₹केवल मैं ही नहीं, बल्कि छगन भुजबल जैसे कई वरिष्ठ नेता भी इस घटनाक्रम पर शक जाहिर कर रहे हैं। जब तक हाई कोर्ट का नियंत्रण नहीं होगा, सच सामने नहीं आएगा।

नितिन गडकरी को दी 'प्राइवेट प्लेन' से बचने की सलाह

जाँच एजेंसियों के प्रति अविश्वास जताते हुए देशमुख ने एक चौंकाने वाला बयान दिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का जिक्र करते हुए कहा कि इस हादसे ने कई अनसुलझे सवाल पैदा कर दिए हैं। उन्होंने कहा, ₹मैं जब भी गडकरी जी से मिलूँगा, उन्हें सलाह दूँगा कि वे अब प्राइवेट प्लेन से यात्रा करना बंद कर दें।₹ पूर्व गृह मंत्री के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, जिसे सीधे तौर पर वीआईपी सुरक्षा और निजी विमानों के रखरखाव पर बड़े संदेह के रूप में देखा जा रहा है।

ब्लैक बॉक्स की जांच से हादसे की वजह होगी साफ : प्रफुल्ल पटेल

मुंबई। पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विमान हादसे को लेकर जारी सियासी बयानबाजी के बीच एनसीपी (एपी) के सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा है कि हादसे की वास्तविक वजह तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्लैक बॉक्स की जांच से यह सामने आ जाएगा कि विमान दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे असल कारण क्या था।

एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन बोर्ड को सौंपी गई जांच

गोंदिया में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रफुल्ल पटेल ने बताया कि उनके नागरिक उड्डयन मंत्री कार्यकाल के दौरान 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन बोर्ड' नामक एक स्वायत्त संस्था का गठन किया गया था, जो विमान हादसों की वैज्ञानिक तरीके से जांच करती है। वर्तमान मामले को भी इसी संस्था को सौंपा गया है। पटेल ने कहा कि विमान की गति, दिशा और पायलटों के अंतिम शब्दों के विश्लेषण से पूरी तस्वीर साफ होगी और ब्लैक बॉक्स से मिले आंकड़ों के आधार पर ही किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है।

अपने कार्यकाल का दिया हवाला

देशमुख ने अपने कार्यकाल का हवाला देते हुए कहा कि वह गृह मंत्री रह चुके हैं और उन्हें CID की जाँच के तरीके और उसकी सीमाओं का बखूबी ज्ञान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों का भरोसा जीतने के लिए पारदर्शी जाँच जरूरी है, जो केवल न्यायिक आयोग ही कर सकता है।

अजित पवार विमान हादसा ऑपरेशन लोटस का हिस्सा : संजय राऊत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए सनसनीखेज दावा किया है कि मौजूदा हालात में जो भी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ खड़ा होगा, उसे या तो जेल जाना पड़ेगा या अपनी जान गंवानी पड़ेगी। उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे को भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' करार देते हुए कहा कि इस पूरे मामले की सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए और इसकी निष्पक्ष जांच होनी जरूरी है। मंगलवार को प्रेस वार्ता में संजय राऊत ने कहा कि यदि अजित पवार भाजपा का साथ छोड़कर शरद पवार के पास लौट आते, तो यह भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक झटका होता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के लिए भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है। राऊत ने एनसीपी (एपी) सांसद प्रफुल्ल पटेल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष बनने की जल्दी थी और संसद भवन परिसर में अमित शाह के साथ उनकी वायरल तस्वीर को लेकर संदेह जताया। उन्होंने कहा कि एनसीपी अब पवार परिवार के नियंत्रण में नहीं रही!

आज़ाद मैदान में गिग और प्लेटफॉर्म सेवा कर्मियों का प्रदर्शन

बिना कारण आईडी ब्लॉक करने और कार्यस्थल पर असुरक्षा के खिलाफ फूटा गुस्सा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अपने हक और पहचान की लड़ाई लड़ रहे गिग और प्लेटफॉर्म सेवा कर्मियों ने मंगलवार, 3 फरवरी को मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान से देशव्यापी आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। 26 जनवरी को किए गए ऐलान के बाद, प्रत्यक्ष प्रदर्शन की शुरुआत में बड़ी संख्या में फूड डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और ब्यूटी सेवाओं से जुड़ी महिला कर्मियों ने मोर्चा संभाला। आंदोलनकारियों का स्पष्ट कहना है कि दिन-रात डिजिटल सेवाएं देने के बावजूद उन्हें 'श्रमिक' का दर्जा न देना उनके अधिकारों का हनन है। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने कार्यस्थल पर सम्मान, सुरक्षा और समान अधिकारों की मांग को प्रमुखता से उठाया।

महिला गिग वर्कर्स: जोखिम अधिक, सुरक्षा शून्य

यूनियन ने आरोप लगाया है कि महिला गिग वर्कर्स को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक तरफ आय की अनिश्चितता है, तो दूसरी तरफ अपमान और हिंसा का जोखिम। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि उचित भुगतान मांगने पर अक्सर उन्हें धमकियां मिलती हैं। सबसे गंभीर मुद्दा यह है कि कंपनियों के पास प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र नहीं है। महिला कर्मियों का कहना है कि जब वे दुर्व्यवहार की शिकायत करती हैं, तो समस्या सुलझाने के बजाय अक्सर उनकी 'आईडी ब्लॉक' कर दी जाती है, जिससे उनकी आजीविका ही छिन जाती है।

आईडी ब्लॉकिंग और एल्गोरिदम की 'मनमानी'

आंदोलन के केंद्र में ऐप-आधारित कंपनियों की 'तानाशाही' नीतियां रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख मुद्दों को रेखांकित किया जैसे कि ऑटो-असाइन, रेटिंग सिस्टम और बंडल बुकिंग जैसे जटिल सिस्टम वर्कर्स पर मानसिक दबाव बना रहे हैं। काम के घंटे बढ़ने के बावजूद आय दरों में कमी और मनमाने जुर्मानों से वर्कर्स की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। बिना किसी स्पष्टीकरण या पक्ष सुने आईडी ब्लॉक कर देने से हजारों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

केंद्रीय कानून की मांग

यूनियन गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विस वर्कर्स यूनियन ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इन डिजिटल श्रमिकों के लिए एक व्यापक केंद्रीय कानून बनाया जाए। यूनियन के अनुसार, जब तक इन्हें कानूनी रूप से 'श्रमिक' नहीं माना जाएगा, तब तक स्वास्थ्य बीमा, पीएफ और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाएं कागजों तक ही सीमित रहेंगी। इसके अलावा, यूनियन ने मांग की है कि महिलाओं के लिए ऐप में अनिवार्य आपातकालीन बटन, यौन उत्पीड़न के खिलाफ कड़े प्रावधान और दोहरी कैंसिलेशन पेनल्टी जैसी व्यवस्थाओं को तुरंत समाप्त किया जाए।

लाडकी बहिन योजना का नाम अजित पवार के नाम पर रखे सरकार : मिटकरी

मुंबई। महाराष्ट्र की सबसे लोकप्रिय और गेम-चेंजर मानी जाने वाली 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' को लेकर एक नया राजनीतिक प्रस्ताव सामने आया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के विधायक अमोल मिटकरी ने मंगलवार को मांग की है कि इस योजना का नाम बदलकर दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नाम पर रखा जाए। मिटकरी ने इसे 'अजित दादा' की विरासत और महिलाओं के प्रति उनके विशेष प्रेम के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि करार दिया है।
मीडिया से बातचीत के दौरान अमोल मिटकरी ने भावुक होते हुए कहा कि अजित पवार को महाराष्ट्र की महिलाएं प्यार से 'अजित दादा' मानती थीं।

राऊत पॉलिटिक्स छोड़, वेब सीरीज की स्क्रिप्ट लिखें : भाजपा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत द्वारा लगाए गए 'साजिश' के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी ने बेहद तल्ख प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी मीडिया सेल के प्रदेश प्रमुख नवनाथ बन ने राऊत पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें राजनीति छोड़कर मनोरंजन की दुनिया में चले जाना चाहिए, क्योंकि वे केवल ₹काल्पनिक स्क्रिप्ट₹ लिख रहे हैं। बन ने कहा कि राऊत को ओटीटी (OTT) के लिए निर्देशन और स्क्रिप्ट लेखन शुरू करना चाहिए ताकि उनकी ₹राजनीतिक दुकान₹ चलती रहे।

'हवा में तीर न चलाएं, सबूत पेश करें'

नवनाथ बन ने संजय राऊत के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने इस हादसे को 'ऑपरेशन लोटस' का हिस्सा बताया था। बन ने खुली चुनौती देते हुए कहा, ₹सांसद जैसे जिम्मेदार पद पर रहते हुए राऊत को झूठे आरोप लगाने की आदत पड़ गई है। अगर उनके पास कोई ठोस सबूत है कि यह हादसा ऑपरेशन लोटस का हिस्सा था, तो वे उसे पेश करें। हवा में तीर चलाने वाली फालतू बातों का कोई मतलब नहीं है।₹ उन्होंने तंज कसा कि राऊत को भूकंप, सुनामी और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं में भी 'ऑपरेशन लोटस' ही दिखाई देता है।

शरद पवार का हवाला और 'भ्रष्टाचार की फाइल' पर तंज

बीजेपी नेता ने राऊत के उस बयान पर भी सवाल उठाए जिसमें उन्होंने कहा था कि अजित पवार के पास भाजपा के भ्रष्टाचार की फाइलें थीं। बन ने कहा, ₹जो राऊत कल तक अजित दादा का अपमान करते थे, उन्हें आज अचानक उनसे प्यार कैसे हो गया? यह बहुत अजीब है।₹ उन्होंने आगे कहा कि जब स्वयं शरद पवार ने यह साफ कर दिया है कि हादसे के पीछे कोई साजिश नहीं थी, तो क्या राऊत खुद को शरद पवार से भी ज्यादा समझदार मानते हैं? उन्होंने राऊत के मानसिक संतुलन पर सवाल उठाते हुए उनके बयानों को 'बकवास' करार दिया।

भारतीय न्यायपालिका पर अविश्वास का आरोप

नवनाथ बन ने आरोप लगाया कि संजय राऊत को न तो सरकारी जांच पर भरोसा है और न ही न्यायपालिका पर। उन्होंने कहा, ₹जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं और सच जल्द ही सामने आ जाएगा। लेकिन राऊत का रवैया ऐसा है कि कल अगर कोर्ट का फैसला उनके खिलाफ आया, तो वे कहेंगे कि कोर्ट बिक चुका है। जिन्हें भारतीय न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है, उन्हें पाकिस्तानी कोर्ट में चले जाना चाहिए।₹ बीजेपी ने स्पष्ट किया कि केंद्र और राज्य सरकार इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे की गहन जांच कर रही है और बिना सबूत के राजनीति करना बंद होना चाहिए।

कार की टक्कर से एनएसजी कमांडो गंभीर रूप से घायल

गोपनीय ड्यूटी से लौट रहे थे जवान, तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर ने मारी टक्कर

मुंबई। जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड (JVLR) पर एक तेज रफ्तार कार ने नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) के कमांडो विशाल शिवथारे (31) की बुलेट मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा सोमवार सुबह उस वक्त हुआ जब कमांडो शिवथारे अपनी ड्यूटी पूरी कर वापस कैंप लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह उछलकर कैंप के गेट के पास जा गिरे। फिलहाल, उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल के आईसीयू (ICU) में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है।

इंडिकेटर देकर मुड़ रहे थे, तभी काल बनकर आई कार

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विशाल शिवथारे NSG के 'स्पेशल कम्पोजिट ग्रुप' में रेंजर के पद पर तैनात हैं। 2 फरवरी की सुबह करीब 3:25 बजे वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सौंपे गए एक गोपनीय कार्य के लिए जोगेश्वरी गए थे। सुबह करीब 5:14 बजे जब वे वापस पवई स्थित NSG कैंप के 'उन्नीकृष्णन गेट' की तरफ मुड़ रहे थे, तभी पवई से जोगेश्वरी की ओर जा रही एक सफेद स्विफ्ट डिजायर कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

गैंगस्टर अबू सलेम की पैरोल याचिका पर सुनवाई

मुंबई। गैंगस्टर अबू सलेम की पैरोल याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने साफ कहा था कि अगर अबू सलेम को पैरोल चाहिए, तो पुलिस एस्कॉर्ट और सुरक्षा व्यवस्था का पूरा खर्च उन्हें खुद उठाना होगा. दरअसल, सलेम की सुरक्षा के खर्च का मुद्दा बड़ा बनता जा रहा है. बता दें कि मंगलवार (3 फरवरी) की सुनवाई के बाद अबू सलेम की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि सुरक्षा पर आने वाला कुल खर्च करीब 17 लाख रुपये से ज्यादा है. वकील ने दलील दी कि अबू सलेम पिछले 25 वर्षों से जेल में बंद हैं और उनके पास कोई नियमित आय का स्रोत नहीं है, जिससे वे इतनी बड़ी राशि का भुगतान कर सकें. वकील ने यह भी बताया कि सलेम अधिकतम एक लाख रुपये तक ही जमा कर पाने की स्थिति में हैं!
गौरतलब है कि हाल ही में अबू सलेम के भाई का निधन हुआ था. इसी आधार पर उन्होंने अंतिम संस्कार और पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए पैरोल की मांग की है. अबू सलेम का पैतृक गांव उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के सरायमीर के पास स्थित है!

फार्मेसी छात्रों पर मंडराया लाइसेंस रद्द होने का खतरा

मुंबई। महाराष्ट्र में फार्मेसी डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले हजारों छात्र इन दिनों अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्थगित की गई 'एग्जिट एग्जाम' का अब तक कोई अता-पता नहीं है। हालांकि, सरकार ने छात्रों को राहत देते हुए एक वर्ष के लिए फार्मेसी काउंसिल में पंजीयन और व्यवसाय हेतु प्रोविजनल लाइसेंस प्रदान किया था, लेकिन अब इस लाइसेंस की अवधि समाप्त होने को है। यदि समय रहते परीक्षा नहीं हुई, तो हजारों नवयुवक फार्मासिस्टों के लाइसेंस रद्द हो सकते हैं।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
निविदा संख्या : GEM/2025/B/7053809
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, भुसावल द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है : **संक्षिप्त विवरण** : Supply of 2 x 185 sq. mm stranded Al. conductor, 1100V grade, GI steel strip armored, XLPE insulated PVC sheathed electric cable confirming to IS 7098 (part I)/1988 or latest, **मात्रा** : 20000 मीटर, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय** : 25.02.2026 को 16.30 बजे। **नोट:** इस निविदा का विवरण रेल्वे की निम्न साईट पर उपलब्ध है **www.GeM.gov.in** EXP
रेलमदद हेल्पलाईन 139

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड
निविदा हेतु आमंत्रण - MRVC-W-E-CR-GS-2026
(सिंगल स्टेज दो लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर प्रक्रिया)
मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, **"MUTP-IIIA के तहत सेंट्रल रेलवे के मुंबई डिवीजन में कल्याण से बदलापुर स्टेशन तक मौजूदा सेक्शन पर इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं देने के लिए विट्ठलवाड़ी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर स्टेशनों और इमारतों पर इलेक्ट्रिकल (जनरल सर्विसेज) का कार्य"** हेतु -निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 04.03.2026 को दोपहर 15:00 बजे तक है।** शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।

मुंबई में मोहन भागवत का 'मेगा संवाद'

शाहरुख-सलमान और सचिन समेत कई हस्तियों को मिला न्यौता

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की स्थापना के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मायानगरी मुंबई में एक अभूतपूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। आगामी शनिवार और रविवार (7-8 फरवरी, 2026) को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत समाज के विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज हस्तियों के साथ सीधा संवाद करेंगे। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता के बाद अब मुंबई में इस वैचारिक मंथन की तैयारी पूरी हो चुकी है। संघ ने इस कार्यक्रम को सर्वसमावेशी बनाने के लिए कला, खेल, व्यापार और सिनेमा जगत की बड़ी हस्तियों को आमंत्रित किया है। आमंत्रितों की सूची में अंबानी परिवार, कुमार मंगलम बिरला, सचिन तेंदुलकर के साथ-साथ बॉलीवुड के तीनों खान (शाहरुख, सलमान, आमिर) और कपूर परिवार जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सुनील आंबेकर के अनुसार, लगभग 1,200 लोगों को निमंत्रण भेजा गया है, जिनमें से 700 से 800 लोगों के शामिल होने की संभावना है।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त और अनुभवी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते हैं। [दो बोली प्रणाली] **ई-निविदा सूचना क्र. SUR/TD/T/2026/02S.** कार्य का नाम : दो वर्षों की अवधि के लिए सोलापुर डिबीजन के पारेवाडी, कुर्दुवाड़ी, सोलापुर, दुधनी और कलबुर्गी डिपो के ट्रैकशन सबस्टेशन (टीएसएस) का संचालन का कार्य। कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,19,41,949.99। बयाना राशि : ₹ 2,09,700/-। कार्य पुरा करने की अवधि : 24 माह। निविदा प्रस्ताव की वैधता : 90 दिन। वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय : दि. 25.02.2026 को 15.00 बजे। EXP-03
टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
(हायड्रॉलिक अभियंता विभाग)
क्रमांक: DyHE/PPC/6826/पांजरापुर दिनांक: 02.02.2026
ई-निविदा सूचना
बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा पात्र निविदादारों से निम्नलिखित कार्य हेतु "आइटम रेट आधार" पर ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा आरंभ तिथि एवं समय तथा निविदा समाप्ति तिथि एवं समय का विवरण एम.सी.जी.एम. की वेबसाइट के Tender अनुभाग में उपलब्ध विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है।

क्रमांक	बिड संख्या	कार्य का नाम
1	2026_MCGM_1272777	क्लोरीनेशन प्लांट, पांजरापुर में स्थापित 3 टन EOT क्रेनों के लिए वर्ष 2026, 2027 एवं 2028 हेतु वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (AMC)।

इच्छुक निविदादार विस्तृत जानकारी के लिए http://portal.mcgm.gov.in (नगर निगम की वेबसाइट) पर अवश्य अवलोकन करें।
हस्ता/-
पीआरओ/2852/विज्ञा./2025-26
कार्यकारी अभियंता (यांत्रिकी एवं विद्युत)
पांजरापुर
समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

एक नई रणनीतिक साझेदारी का उदय

आज के तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच के संबंध केवल दो देशों के द्विपक्षीय जुड़ाव तक सीमित नहीं रह गए हैं। यह साझेदारी अब ₹21वीं सदी की सबसे परिभाषित साझेदारियों में से एक बन चुकी है। हाल के वर्षों में हुए विभिन्न समझौतों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देश न केवल आर्थिक बल्कि रणनीतिक और तकनीकी मोर्चे पर भी एक-दूसरे के पूरक बन रहे हैं। भारत-अमेरिका संबंधों का सबसे मजबूत स्तंभ रक्षा क्षेत्र बनकर उभरा है। 'पहल ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी' (iCET) और जेट इंजन तकनीक (GE F414) के हस्तांतरण जैसे समझौतों ने दशकों पुराने अविश्वास की दीवारों को गिरा दिया है। अब अमेरिका भारत को केवल एक खरीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक सह-उत्पादक और सह-विकासकर्ता के रूप में देख रहा है। इसके अतिरिक्त, 'क्वाड' (QUAD) और समुद्री सुरक्षा सहयोग ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया है। रक्षा क्षेत्र में यह घनिष्ठता भारत की सैन्य आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करती है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया समझौतों का केंद्र उच्च तकनीक है। चाहे वह सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन हो, अंतरिक्ष अनुसंधान में नासा और इसरो का सहयोग हो, या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर साझा कार्य—दोनों देश भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। सेमीकंडक्टरः भारत में चिप निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए अमेरिकी निवेश। अंतरिक्षः 'आर्टेमिस समझौते' पर हस्ताक्षर और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए संयुक्त मिशन। क्वांटम कंप्यूटिंगः भविष्य की जटिल गणनाओं के लिए अनुसंधान साझेदारी। ये समझौते केवल व्यापारिक नहीं हैं; ये साझा मूल्यों और विश्वास का प्रतीक हैं, जहाँ संवेदनशील तकनीक को एक विश्वसनीय लोकतंत्र के साथ साझा किया जा रहा है। आर्थिक सहयोग और चुनौतियाँ आर्थिक रूप से, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है। 'इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क' (IPEF) के माध्यम से दोनों देश आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने पर काम कर रहे हैं। हालांकि, कुछ व्यापारिक बाधाएं और टैरिफ से जुड़े विवाद अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उन्हें सुलझाने के लिए स्थापित 'ट्रेड पॉलिसी फोरम' जैसे तंत्रों ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। यूक्रेन संकट और मध्य-पूर्व की अस्थिरता के बावजूद, दोनों देशों ने अपने संबंधों को पटरी से उतरने नहीं दिया है। भारत अपनी 'रणनीतिक स्वायत्तता' बनाए रखते हुए भी अमेरिका के साथ वैश्विक मंचों पर कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। चाहे वह जलवायु परिवर्तन के मुद्दे हों या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, दोनों देशों का दृष्टिकोण अब अधिक समावेशी है। भारत-अमेरिका समझौते अब केवल सरकारी स्तर तक सीमित नहीं हैं; इसमें निजी क्षेत्र, प्रवासी भारतीय और अकादमिक जगत की भी बड़ी भूमिका है। हालांकि रूस के साथ भारत के पुराने संबंधों और अमेरिका की कुछ घरेलू नीतियों को लेकर कभी-कभी विरोधाभास दिखता है, लेकिन व्यावहारिकता (Pragmatism) अब इस रिश्ते की नई पहचान है। यदि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनना है और अमेरिका को एशिया में एक स्थिर लोकतांत्रिक साथी चाहिए, तो इस साझेदारी का और अधिक गहरा होना दोनों के हित में है। यह समझौता केवल दो सरकारों का मेल नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता का एक नया ढांचा है। क्या आप चाहेंगे कि मैं भारत-अमेरिका रक्षा समझौतों (जैसे iCET या GE इंजन डील) पर अधिक विस्तृत तकनीकी जानकारी प्रदान करूँ?

भारत का हैंडमेड डायरी उद्योग : इतिहास, वर्तमान और भविष्य

रवींद्र सैनी
हैंडमेड डायरी निर्माता हैं, जयपुर में निवास

भारत में हैंडमेड डायरी उद्योग का सफर सदियों पुरानी परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक पर्यावरणीय चेतना का एक अद्भुत संगम है। यह उद्योग मात्र कागज़ और जिल्दसाजी का व्यवसाय नहीं है, बल्कि यह भारत के 'रीसाइकिल' और 'रीयूज़' के पारंपरिक ज्ञान का प्रत्यक्ष प्रमाण है। डिजिटल क्रांति के इस युग में जहाँ सब कुछ स्क्रीन पर सिमट रहा है, हैंडमेड डायरियों ने अपनी बनावट, खुशबू और विशिष्टता के दम पर न केवल अपनी प्रासंगिकता बचाए रखी है, बल्कि एक प्रीमियम वैश्विक बाज़ार भी स्थापित किया है। ऐतिहासिक जड़ेंः मुग़ल सल्तनत से गांधीवादी दर्शन तक भारत में हैंडमेड कागज़ बनाने की कला का इतिहास लगभग 8वीं शताब्दी के आसपास का माना जाता है, लेकिन इसे व्यवस्थित संरक्षण मुग़ल काल में मिला। राजस्थान का सांगानेर और महाराष्ट्र का जुन्नर जैसे क्षेत्र इस कला के प्रमुख केंद्र बने। उस दौर में 'कागज़ी' कहे जाने वाले कारीगर सूती कपड़ों के चिथड़ों (Rags) और पौधों के रेशों से इतना मज़बूत कागज़ तैयार करते थे, जिस पर लिखी इबारतें सदियों तक सुरक्षित रहती थीं। मुग़ल काल की प्रशासनिक बहियाँ और शाही फरमान इसी हैंडमेड कागज़ का हिस्सा थे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी ने जब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी का आह्वान किया, तो उन्होंने खादी के साथ-साथ हैंडमेड कागज़ को भी ग्रामोद्योग की रीढ़ माना। 1930 के दशक में उन्होंने पुणे और वर्धा में हैंडमेड कागज़ इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया। गांधी जी का मानना था कि पेड़ों को काटे बिना, बेकार पड़े अवशेषों से कागज़ बनाना अहिंसा का ही एक रूप है। यहीं से हैंडमेड डायरी भारतीय मध्यम वर्ग के बौद्धिक जीवन का हिस्सा बनी। आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जहाँ हैंडमेड कागज़ और उससे बने उत्पादों का एक व्यापक और संगठित ढांचा मौजूद है।

वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, भारत में हैंडमेड कागज़ उद्योग का वार्षिक टर्नओवर लगभग 1,500 करोड़ से 2,000 करोड़ रुपये के बीच है। इसमें डायरी निर्माण का हिस्सा सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक उच्च मूल्य वर्धित (Value-added) उत्पाद है। बाज़ार विश्लेषण बताते हैं कि इस उद्योग की वार्षिक विकास दर (CAGR) लगभग 8% से 10% के बीच बनी हुई है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) के अंतर्गत हज़ारों इकाइयाँ सीधे तौर पर इस काम में लगी हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लोगों को रोज़गार प्रदान कर रही हैं। वर्तमान में भारतीय हैंडमेड डायरियाँ मुख्य रूप से अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया को निर्यात की जाती हैं। वैश्विक बाज़ार में 'सस्टेनेबल स्टेशनरी' की बढ़ती मांग के कारण भारत से हस्तशिल्प निर्यात में डायरियों का योगदान पिछले पाँच वर्षों में लगभग 15% बढ़ा है।चुनौतियांः मशीनीकरण और डिजिटल अतिक्रमण इतने सुनहरे आंकड़ों के

बावजूद, यह उद्योग एक दोधारी तलवार पर चल रहा है। सबसे बड़ी चुनौती मशीनों द्वारा बनाई गई 'नकली हैंडमेड' डायरियों से है। चीन और अन्य देशों से आने वाली ये डायरियाँ सस्ती होती हैं और देखने में हैंडमेड जैसी लगती हैं, जिससे वास्तविक कारीगरों के मुनाफे पर असर पड़ता है। इसके अलावा, हैंडमेड प्रक्रिया में समय और श्रम अधिक लगता है, जिससे अंतिम उत्पाद की कीमत बढ़ जाती है। दूसरा बड़ा संकट 'डिजिटल नोट-टेकिंग' ऐप्स का है। नई पीढ़ी लिखने के बजाय टाइप करने को प्राथमिकता दे रही है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इस चुनौती ने डायरी उद्योग को 'यूटिलिटी' से निकालकर 'लक्जरी' और 'इमोशन' की श्रेणी में डाल दिया है। लोग अब डायरी केवल लिखने के लिए नहीं, बल्कि अपनी पसंद और व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए खरीदते हैं। आजकल डायरियों के लिए केवल कपास का कचरा ही नहीं, बल्कि केले के रेशे, जूट और यहाँ तक कि हाथी के गोबर का भी इस्तेमाल हो रहा है। भविष्य की संभावनाएँ: सस्टेनेबिलिटी और कस्टमाइजेशन हैंडमेड डायरी उद्योग का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है, बशर्ते यह तकनीक और परंपरा का सही तालमेल बिठा सके। भविष्य के बाज़ार में तीन प्रमुख रुझान (Trends) दिखाई दे रहे हैं। पहला है इको-गिफ्टिंग, जहाँ कॉर्पोरेट जगत में अब प्लास्टिक कवर वाली डायरियों का स्थान हैंडमेड डायरियाँ ले रही हैं। अनुमान है कि 2030 तक भारत के कॉर्पोरेट गिफ्टिंग बाज़ार में हैंडमेड उत्पादों की हिस्सेदारी 25% तक पहुँच जाएगी। दूसरा है सीड पेपर और जीरो वेस्ट का बढ़ता चलन। भविष्य में ऐसी हैंडमेड डायरियों की मांग बढ़ेगी जिनके पन्नों को उपयोग के बाद मिट्टी में दबाने पर वे पौधों में बदल जाएँ। तीसरा प्रमुख कारक है ई-कॉमर्स। यायडिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने छोटे कारीगरों को बिचौलियों से मुक्त कर दिया है। इंस्टाग्राम और अन्य माध्यमों के जरिए कारीगर सीधे वैश्विक ग्राहकों को अपनी कला बेच रहे हैं, जिससे 'कस्टमाइज्ड हैंडमेड डायरी' का बाज़ार तेजी से बढ़ रहा है। भारत में हैंडमेड डायरी उद्योग अब केवल एक लघु उद्योग नहीं, बल्कि एक 'वैश्विक ब्रांड' बनने की राह पर है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' का सबसे सशक्त उदाहरण है। आंकड़ों और रुझानों से स्पष्ट है कि जैसे-जैसे दुनिया पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर होगी, भारतीय हैंडमेड डायरियों की चमक उतनी ही बढ़ेगी। यह उद्योग हमें याद दिलाता है कि भले ही हम कीबोर्ड पर कितनी ही तेज टाइपिंग कर लें, लेकिन हाथ से लिखे हुए शब्द और हैंडमेड पन्नों का स्पर्श जो सुकून देता है, उसका कोई डिजिटल विकल्प नहीं हो सकता। भविष्य उन उत्पादों का है जिनमें मानवीय संवेदना हो, और हैंडमेड डायरी इसी का प्रतीक है।

हमारी गीता

जीवन जीने की कला

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

आज हम एक छोटा सा टूथब्रश या चॉकलेट भी खरीदते हैं, तो उसके कवर पर छपी नियमावली (Manual) को ध्यान से पढ़ते हैं—कैसे उपयोग करें, कब तक करें? एक युवक ने बिना मैनुअल पढ़े नई इलेक्ट्रिक मशीन चालू की और वोल्टेज की गड़बड़ से वह जलकर राख हो गई। मशीन तो दोबारा आ जाएगी, पर क्या हमने कभी सोचा है कि हमारे जीवन की भी कोई नियमावली है? संसार आज एक अंधी दौड़ में है। कभी कॉमर्स, कभी इंजीनियरिंग, तो कभी आईटी की लहर आती है और हम बस भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं। विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि एक स्पर्श पर सात समंदर पार बात हो जाती है, मशीनें चाय-कॉफी परोस देती हैं। परंतु, क्या मनुष्य वास्तव में सुखी है?

तथ्य इसके विपरीत हैं:

अति-प्रगत देशों में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ रही है। तकनीक में श्रेष्ठ जापान जैसे देशों में आत्महत्या का प्रमाण अधिक है। हमारे यहां भ्रष्टाचार, बेकारी और बढ़ते 'ब्रेक-अप' प्रगति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। आज का छोटा बच्चा 'तनाव' में है और युवा 'हृदय रोगों' से जूझ रहे हैं। क्या यही असली प्रगति है? असल में, हम बिना 'मैन्युअल' के जीवन जीने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे शास्त्र और वेद ही जीवन की असली नियमावली हैं। 'वेद' का अर्थ है ज्ञान—वह सत्य जो ऋषियों ने समाधि की अवस्था में साक्षात देखा। जैसे न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण बनाया नहीं, बल्कि उसकी खोज की, वैसे ही ऋषियों ने सृष्टि के शाश्वत नियमों को जाना। वेदों के उस गूढ़ ज्ञान को सरल और सुलभ बनाने के लिए साक्षात भगवान ने अर्जुन को माध्यम बनाकर श्रीमद् भगवद् गीता का दिव्य उपदेश दिया। यह केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने का शास्त्र और कला है। परंतु, प्रश्न उठता है—क्या पाँच हजार वर्ष पुराना यह ज्ञान आज के आधुनिक युग में भी प्रासंगिक है? या गीता कालबाह्य हो चुकी है?

शख्सियत | पंडित भीमसेन जोशी

सुरों के साधक और तान के जादूगर

पंडित भीमसेन जोशी का जन्म 4 फरवरी 1922 को कर्नाटक के धारवाड़ जिले के रोण नामक कस्बे में हुआ था। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे भीमसेन के पिता गुरुराज जोशी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् और संस्कृत के विद्वान थे।

बचपन से ही भीमसेन के भीतर संगीत के प्रति एक ऐसी दीवानगी थी कि वे भजन मंडलियों और संगीत समारोहों के पीछे मीलों पैदल चल देते थे। संगीत के प्रति उनके इसी जुनून के कारण उनके पिता अक्सर परेशान रहते थे, क्योंकि वे चाहते थे कि उनका बेटा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर एक सम्मानजनक नौकरी करे। लेकिन नियति ने भीमसेन के लिए कुछ और ही तय किया था। ग्यारह वर्ष की कोमल आयु में, प्रसिद्ध गायक अब्दुल करीम खान की आवाज़ से मंत्रमुग्ध होकर, उन्होंने संगीत के सच्चे गुरु की तलाश में अपना घर छोड़ दिया और एक ऐसी यात्रा पर निकल पड़े जिसने भारतीय शास्त्रीय संगीत का इतिहास बदल दिया। भीमसेन जोशी की संगीत यात्रा अत्यंत संघर्षमय और प्रेरणादायक रही। घर छोड़ने के बाद, वे बिना किसी पैसे के जालंधर, ग्वालियर, लखनऊ और रामपुर जैसे शहरों में घूमते रहे। इस दौरान उन्होंने कई बार बिना टिकट ट्रेनों में यात्रा की और कहीं-कहीं केवल एक समय के भोजन के बदले गुरुओं की सेवा की। अंततः, उनकी तलाश अपने गृह राज्य कर्नाटक में ही समाप्त हुई, जहाँ वे महान गायक सवाई गंधर्व के शिष्य बने। सवाई गंधर्व के सानिध्य में उन्होंने किराना घराने की बारीकियों को सीखा। गुरु के आश्रम में रहकर उन्होंने न केवल संगीत सीखा, बल्कि अनुशासन और कठिन परिश्रम की पराकाष्ठा को भी जिया। वे प्रतिदिन कई-कई घंटों तक केवल एक ही राग का रियाज़ करते थे, जिसने उनके गले में वह लोच और मज़बूती पैदा की जो आगे चलकर उनकी वैश्विक पहचान बनी। पंडित भीमसेन जोशी को अंतरराष्ट्रीय पहचान और प्रतिष्ठा उनके अद्वितीय गायन अंदाज़ से मिली। वे किराना घराने के मुख्य स्तंभ माने जाते थे, लेकिन उन्होंने ग्वालियर और आगरा घराने की खूबियों को भी अपने गायन में समाहित किया। उनकी आवाज़ में एक ऐसी शक्ति और गहराई थी कि जब वे 'राग शुद्ध कल्याण' या 'राग मियाँ मल्हार' गाते थे, तो श्रोता एक अलग ही दुनिया में पहुँच जाते थे। उनके गायन की सबसे बड़ी विशेषता उनकी 'तान' थी, जो बिजली की गति से श्रोताओं के कानों से टकराती थी। भक्ति संगीत में भी उनका योगदान अतुलनीय है; उनके द्वारा गाए गए अभंग 'माझे माहेर पंढरपुर' और 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' जैसे गीतों ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' के माध्यम से उन्होंने देश की सांस्कृतिक एकता को सुरों में पिरोकर राष्ट्रीय एकता का एक कालजयी प्रतीक खड़ा कर दिया। भीमसेन जोशी केवल एक गायक नहीं, बल्कि एक निष्ठावान कलाकार थे। वे मानते थे कि संगीत ईश्वर की इबादत है। उनका सार्वजनिक जीवन बहुत ही सादा और सौम्य था। संगीत के प्रति उनके समर्पण का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे अपने गुरु सवाई गंधर्व की स्मृति में हर साल पुणे में 'सवाई गंधर्व भीमसेन महोत्सव' का आयोजन करते थे, जो आज भी भारत के सबसे प्रतिष्ठित शास्त्रीय संगीत समारोहों में से एक है।

जीवन ऊर्जा

पंडित बिरजू महाराज का जन्म 4 फरवरी, 1937 को लखनऊ के प्रसिद्ध हंडिया तहसील में हुआ था। वे कत्थक नृत्य के 'लखनऊ कालिका-बिंदादिन' घराने के पथ-प्रदर्शक और एक कालजयी कलाकार थे। उन्हें न केवल एक महान नर्तक, बल्कि एक श्रेष्ठ कोरियोग्राफर, गायक और तबला वादक के रूप में भी जाना जाता है। पद्म विभूषण से सम्मानित महाराज जी ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई और 17 जनवरी, 2022 को इस नश्वर संसार से विदा ली।

पंडित बिरजू महाराज : जन्म 4 फरवरी, 1937 | जन्म

दूसरों की कला जगाने वाला

नृत्य केवल शरीर का हिलना-डुलना नहीं है, यह अपनी आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का एक माध्यम है। कला के क्षेत्र में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, क्योंकि साधना ही कलाकार की असली पहचान है। अभ्यास (रियाज़) वह कुंजी है जो प्रतिभा के बंद दरवाजों को खोल देती है। एक नर्तक के लिए उसके पैर ही उसके शब्द हैं और घुंघरू उसकी आवाज़। लय और ताल ही जीवन का आधार हैं; अगर जीवन में लय नहीं, तो सब कुछ बिखर जाता है। सबसे बड़ा कलाकार वह है, जो दूसरों के भीतर छिपी कला को जगा दे। मंच पर जाने से पहले घबराहट होना स्वाभाविक है, क्योंकि यही डर आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कला को व्यापार मत बनाइए, इसे उपासना की तरह जिएं। प्रकृति का हर कण नृत्य कर रहा है—पेड़ों का झूमना, लहरों का उठना और हवा का चलना, सब कत्थक ही तो है। अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहें, क्योंकि जो पेड़ अपनी जड़ें छोड़ देता है, वह जल्दी सूख जाता है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता,

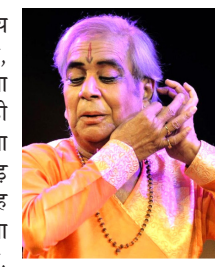

इसके लिए पसीना बहाना ही पड़ता है। आँखें वह सब कह सकती हैं जो ज़ुबान नहीं कह पाती; भाव ही नृत्य की आत्मा है। कत्थक का अर्थ है 'कथा कहना', और हर कलाकार को अपनी प्रस्तुति से एक कहानी कहनी चाहिए। अनुशासन ही वह शक्ति है जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करती है। विरासत को सहेजना ज़रूरी है, लेकिन उसमें नए रंग भरना भी अनिवार्य है ताकि वह आने वाली पीढ़ियों को पसंद आए। कलाकार कभी मरता नहीं, वह अपनी कला के माध्यम से हमेशा जीवित रहता है। जिज्ञासा को कभी खत्म मत होने दें, क्योंकि जिस दिन आप सीखना छोड़ देते हैं, उस दिन आपकी प्रगति रुक जाती है। सादगी में ही सबसे बड़ी सुंदरता छिपी है। दूसरों की नकल करने के बजाय अपनी मौलिकता को तराशें। कला ईश्वर का दिया हुआ वह उपहार है जिसे बांटने से यह और बढ़ता है। धैर्य रखिए, क्योंकि सुर और ताल को साधने में जन्म बीत जाते हैं। मेरा जीवन एक खुली किताब है, जिसमें हर पन्ने पर केवल नृत्य और संगीत की इबारत लिखी है। जब तक साँसें हैं, तब तक घुंघरू बजते रहने चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

संतोष: मानव कल्याण का आध्यात्मिक पथ

संसार की समस्त भागदौड़, संघर्ष और आपाधापी का मूल केंद्र एक ही है सुख और परम संतोष की प्राप्ति। मनुष्य जन्म से लेकर मृत्यु तक धन, पद, शक्ति और प्रतिष्ठा के पीछे इस अटूट विश्वास के साथ भागता है कि ये चीजें उसे जीवन में पूर्णता प्रदान करेंगी। लेकिन, उस प्रतापी राजा की कथा हमें एक शाश्वत सत्य से रूबरू कराती है कि बाहरी उपलब्धियां मन की बेचैनी को कभी शांत नहीं कर पातीं। राजा के पास वैभव की कोई कमी नहीं थी, फिर भी वह भीतर से रिक्त और अशांत था। इसके विपरीत, एक भिखारी जिसके पास भौतिक संसाधनों के नाम पर झोपड़ी तक नहीं थी, वह असीम आनंद में डूबा था। यह कथा हमें धर्म और जीवन के उस गूढ़ रहस्य की ओर ले जाती है, जहाँ 'जागना' ही सबसे बड़ी उपलब्धि है और यही जागृति मानव कल्याण का वास्तविक आधार है। धर्म का वास्तविक और सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य 'मानव कल्याण' है। अक्सर हम कल्याण का अर्थ केवल रोटी, कपड़ा और मकान जैसी भौतिक सुविधाओं या दान-पुण्य तक सीमित कर देते हैं। निश्चित रूप से ये भौतिक आवश्यकताएं अनिवार्य हैं, परंतु वास्तविक कल्याण तब तक संभव नहीं जब तक मनुष्य मानसिक संताप, भ्रम और अचेतनता के अंधकार से मुक्त न हो जाए। जैसा कि भिखारी ने राजा को आईना दिखाकर समझाया, मनुष्य अब तक केवल अपनी सत्ता, पद और नाम को देख रहा था, स्वयं को नहीं। जब हम स्वयं के अस्तित्व से अपरिचित रहते हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां और यहाँ तक कि हमारी सेवा भी केवल अहंकार का एक सूक्ष्म विस्तार बनकर रह जाती हैं। असली सेवा और कल्याणकारी भावना का उदय तभी होता है जब मनुष्य के भीतर का 'स्व' जागृत होता है। मानव कल्याण की दिशा में पहला अनिवार्य कदम है स्वयं की

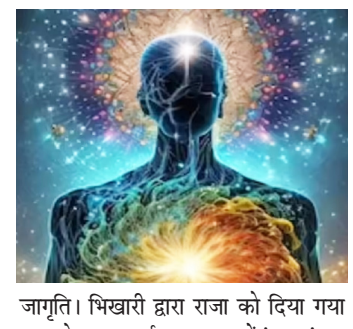

जागृति। भिखारी द्वारा राजा को दिया गया वह छोटा सा आईना वास्तव में 'ध्यान' का प्रतीक है। ध्यान वह प्रक्रिया है जो हमें वैसा ही दिखाती है जैसे हम वास्तव में हैं—बिना किसी आवरण या मुखौटे के। जब राजा ने आईने में अपनी थकान, डर और लालसा को देखा, तो वह पहली बार अपने अंतर्मन से परिचित हुआ। जब कोई व्यक्ति जागरूक होता है, तो उसके भीतर से 'सिंहासन का नशा' उतर जाता है। इसका अर्थ यह नहीं कि वह कर्म करना छोड़ दे या अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों से पलायन कर जाए। राजा वापस अपने राज्य लौटा, सिंहासन पर भी बैठा, पर अब वह पहले जैसा अहंकारी राजा नहीं था। अब उसका हर निर्णय सत्ता की भूख से नहीं, बल्कि करुणा और बोध से संचालित था। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत आध्यात्मिक जागृति सामाजिक कल्याण में रूपांतरित होती है। समाज में व्याप्त अधिकांश समस्याओं का मूल कारण मनुष्य का 'अचेतन' होना है। अचेतनता में ही लालच, क्रोध, ईर्ष्या और हिंसा पनपती है। एक अशांत और अतृप्त मन कभी भी दूसरों का भला नहीं कर सकता। इसके विपरीत, जो व्यक्ति ध्यान के आईने में खुद को देख चुका है और जिसके भीतर संतोष की स्थिति पैदा हो गई है, वह समाज के लिए वरदान बन जाता है। संतोष पाने की कोई वस्तु नहीं है जिसे बाज़ार से खरीदा जा सके, यह तो एक आंतरिक स्थिति है। जब मनुष्य को यह बोध हो जाता है कि आनंद बाहर की वस्तुओं में नहीं बल्कि भीतर की शांति में है, तब वह संग्रह की प्रवृत्ति को छोड़कर 'साझा करने' की प्रवृत्ति की ओर बढ़ता है। यही भावना एक न्यायपूर्ण और सुखद समाज का निर्माण करती है। धर्म का अंतिम उद्देश्य मनुष्य को केवल परलोक का सपना दिखाना नहीं, बल्कि इसी लोक में उसे एक बेहतर इंसान बनाना है। मानव कल्याण का मार्ग इसी जागृति से होकर गुज़रता है कि दुख बाहर नहीं, हमारी अचेतनता में है।जो व्यक्ति अपनी अचेतनता से जाग गया, वही वास्तविक राजा है, चाहे वह महल में रहता हो या झोपड़ी में। जब शासक जागरूक होता है, तो नीतियां कल्याणकारी बनती हैं; जब नागरिक जागरूक होता है, तो समाज उत्तरदायी बनता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

उनका पूछना था कि चीन के इस अतिक्रमण के जवाब में हमें आदेश दीजिए। लेकिन 56 इंच का सीना रखने वाले भाग गए। अब मुझे मनोज मुकुंद नरवणे की सुरक्षा की चिंता हो रही है। उनके साथ क्या होगा, यह मैं कह नहीं सकता। उनकी सिक्योरिटी बढ़ जानी चाहिए।

संजय राउत
नेता, शिवसेना (यूबीटी)

बहुत बार लोग सवाल उठाते हैं कि पुलिस ने गोली क्यों मार दी। मैं पूछता हूं कि पुलिस गोली न चलाए तो क्या गोली खाए? यह दोनों काम एक साथ नहीं चल सकता। अगर अपराधी को गोली चलाने की स्वतंत्रता है तो पुलिस के पास भी पिस्तौल इसीलिए है कि वह उसका डटकर मुकाबला करे।

योगी आदित्यनाथ
सीएम

पिछले एक वर्ष के दौरान जिले में अपराध की घटनाओं में कमी आई है। राज्य सरकार कानून के सख्त पालन और सुशासन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। दावा जिले में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाएं विकास की नई गाथा लिख रही हैं और आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल रहा है।

- विजय सिन्ह
डिप्टी सीएम, बिहार

एक साल की योजना बनाई जाए, बल्कि अगले पांच वर्षों (वित्त आयोग के नजरिए से) और साल 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को भी ध्यान में रखा जाए. सिर्फ टैक्स के प्रस्तावों के दम पर 2047 का लक्ष्य हासिल नहीं होगा, बल्कि इसके लिए एक लंबी और गहरी योजना की जरूरत है.

सीतारमण
वित्तमंत्री,भारत

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

रिक्शा चालकों को कानूनी और वित्तीय सुरक्षा पर मिला मार्गदर्शन

ठाणे। शहर के रिक्शा चालकों को उनके विधिक अधिकारों और वित्तीय लेन-देन में होने वाली धोखाधड़ी से बचाने के लिए 'शिव परिवार रिक्शा टैक्सी कल्याण समिति' ने एक विशेष जागरूकता बैठक का आयोजन किया। संस्था के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य रिक्शा चालकों को उन कानूनी बारीकियों से अवगत कराना था, जिनकी अज्ञानता के कारण उन्हें अक्सर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। बैठक के दौरान एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने रिक्शा चालकों को ट्रैफिक फाइन और पेनल्टी पर अधिकतम छूट प्राप्त करने की कानूनी प्रक्रिया विस्तार से समझाई। उन्होंने विशेष रूप से 'पतपेढी' (क्रेडिट सोसाइटी) के माध्यम से लोन लेते समय होने वाली सामान्य गलतियों और किसी की लोन गारंटी (Guarantor) लेते समय बरतने वाली सावधानियों पर जोर दिया। उन्होंने सलाह दी कि बिना दस्तावेजों को पढ़े और समझे किसी भी वित्तीय कागज पर हस्ताक्षर न करें, ताकि भविष्य में किसी कानूनी पचड़े से बचा जा सके।

IOCL पाकनी साइडिंग से 301 रेक लोडिंग, 44.2 करोड़ का माल ढुलाई राजस्व

सोलापुर। सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन ने IOCL पाकनी साइडिंग से पहले ही साल में रेक लोडिंग की ट्रिपल सेंचुरी पूरी कर एक अहम मील का पत्थर हासिल किया है। जनवरी 2025 में शुरू हुए पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक (POL) लोडिंग ऑपरेशन के बाद जनवरी 2026 तक कुल 301 रेक लोड किए गए, जिससे सोलापुर डिवीजन को 44.2 करोड़ का माल ढुलाई राजस्व प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच मजबूत तालमेल का प्रमाण मानी जा रही है। IOCL पाकनी साइडिंग अब महाराष्ट्र की पहली IOCL रेक-लोडिंग सुविधा, देश में IOCL का नौवां विशेष मार्केटिंग रेक-लोडिंग केंद्र और कुल मिलाकर 18वां स्थान बन गई है। यहां से हाई स्पीड डीजल और मोटर स्पिरिट जैसे पेट्रोलियम उत्पाद कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना के प्रमुख गंतव्यों तक भेजे जा रहे हैं। कोयाली से पाकनी तक 752 किमी लंबी कोयाली-अहमदनगर-सोलापुर पाइपलाइन से जुड़े इस केंद्र ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, सुरक्षित परिवहन और आर्थिक विकास को नई गति दी है।

महाराष्ट्र सरकार ने किया 'गोदरेज एग्रोवेट' से समझौता

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और महिला किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में 'गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड' और 'महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवन उन्नति अभियान' (उम्मेद) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत राज्य के 9 प्रमुख जिलों में 5,000 से अधिक महिला किसानों को आधुनिक खेती और वैज्ञानिक पद्धतियों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी बल्कि राज्य की जीडीपी में भी योगदान देंगी।

5000 महिला किसान बनेंगी 'आधुनिक कृषि सखी'

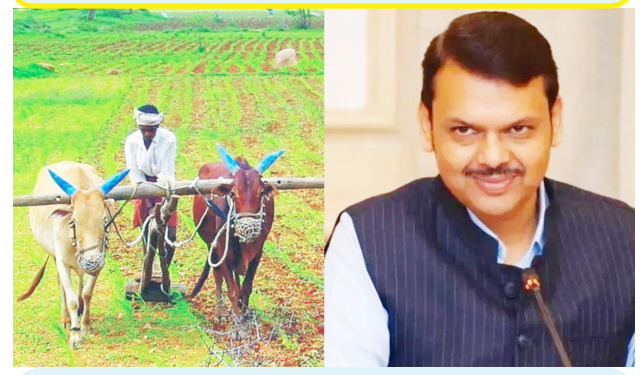

प्रथम चरण में 9 कपास उत्पादक जिलों पर ध्यान

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण में महाराष्ट्र के 9 प्रमुख जिलों—नागपुर, अमरावती, यवतमाल, वाशिम, परभणी, जलगांव, बीड, अकोला और नांदेड़ को चुना गया है। लगभग 50,000 एकड़ भूमि पर फैले इस नेटवर्क में 100 महिला स्वयं सहायता समूहों (SHG) को सीधे लाभ मिलेगा। तीन वर्षों के भीतर इस कार्यक्रम का विस्तार 500 से अधिक समूहों तक किया जाएगा, जिसमें कपास के साथ-साथ मक्का और अन्य महत्वपूर्ण फसलों को भी शामिल किया जाएगा।

प्रशिक्षण और सुरक्षा किट की मिलेगी सुविधा

इस साझेदारी में 'उम्मेद' अभियान अपने व्यापक कृषि सखी नेटवर्क के माध्यम से महिलाओं को संगठित करने का कार्य करेगा, जबकि गोदरेज एग्रोवेट तकनीकी विशेषज्ञता साझा करेगी। कंपनी द्वारा चयनित क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यशालाएं, 'किसान फील्ड स्कूल' और प्रदर्शन खेतों की स्थापना की जाएगी। साथ ही, महिला किसानों को सुरक्षित खेती के लिए विशेष सुरक्षा किट भी प्रदान की जाएगी, ताकि वे कीटनाशकों और अन्य रसायनों के जोखिम से सुरक्षित रहकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026 का विशेष आगाज़

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2026 को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किए जाने के मद्देनजर इस तीन वर्षीय कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस अवसर पर कहा कि महिलाएं कृषि क्षेत्र की असली ताकत हैं। उन्होंने जोर दिया कि आधुनिक तकनीक, आईपीएम (एकीकृत कीट प्रबंधन) और जीएपी (उत्तम कृषि पद्धतियां) के माध्यम से उत्पादन लागत में कमी आएगी और किसानों की आय में भारी वृद्धि होगी। सरकार इन महिलाओं को सुलभ ऋण और समय पर वैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

क्लेम हिस्ट्री न बताने का दोष बीमाधारक पर नहीं डाल सकती बीमा कंपनी: कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि बीमा पॉलिसी पोर्ट करते समय पिछली पॉलिसी की क्लेम हिस्ट्री की जानकारी नहीं देने के लिए बीमाधारक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरेशन की पीठ ने केयर हेल्थ बीमा कंपनी की याचिका खारिज करते हुए कहा कि पॉलिसी पोर्टिंग के दौरान क्लेम हिस्ट्री उपलब्ध कराना पिछली बीमा कंपनी की जिम्मेदारी होती है, न कि बीमाधारक की। अदालत ने बीमारी छिपाने के आरोप को खारिज करते हुए बीमा कंपनी को बीमाधारक का क्लेम भुगतान करने का निर्देश दिया।

बीमा कंपनियों से अपेक्षित है पूरी जांच-पड़ताल

अदालत ने कहा कि बीमा कंपनियां समाज से जो वादे करती हैं, उनकी गंभीरता को देखते हुए यह अपेक्षा की जाती है कि वे पॉलिसी पोर्टिंग के आवेदन पर निर्णय लेने से पहले आवेदक की पॉलिसी डिटेल्स और क्लेम हिस्ट्री की पूरी जांच करें। केयर हेल्थ बीमा लिमिटेड ने बीमा लोकपाल के सात मई दो हजार चौबीस के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मंजुला जोइसर के क्लेम का रिफंड करने का निर्देश दिया गया था। जोइसर ने जनवरी दो हजार बाईस में स्टार हेल्थ एंड एलाइड बीमा कंपनी से अपनी पॉलिसी केयर हेल्थ में पोर्ट कराई थी। बाद में फॉलो-अप ट्रीटमेंट के लिए क्लेम करने पर कंपनी ने बीमारी की जानकारी न देने का हवाला देकर भुगतान से इनकार कर दिया था, जिसे हाई कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया।

डॉ. प्रशांत रविंद्र सिंकर को एनवायर्नमेंटल जर्नलिज़्म में योगदान के लिए ऑनरेरी डॉक्टरेट

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

एनवायर्नमेंटल स्कॉलर और सीनियर जर्नलिस्ट डॉ. प्रशांत रविंद्र सिंकर के पर्यावरण पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे और सतत योगदान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया है। पिछले ढाई दशकों से वे पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, जैव विविधता और सामाजिक मुद्दों पर लगातार लेखन और जनजागरूकता का कार्य कर रहे हैं। एनवायर्नमेंटल जर्नलिज़्म के ज़रिए उन्होंने नेचर कंज़र्वेशन, वॉटर मैनेजमेंट, शहरीकरण से उत्पन्न पर्यावरणीय खतरे और ग्रामीण इलाकों में जल संकट जैसे विषयों को समाज के केंद्र में लाने में अहम भूमिका निभाई है।

'पर्यावरण पत्रकारिता समाज और प्रकृति के बीच एक जिम्मेदार सेतु'

डॉ. सिंकर के उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए नई दिल्ली स्थित सोशल ऑर्गनाइज़ेशन 'एस. शिक्षा फाउंडेशन' की ओर से उन्हें ऑनरेरी डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। आयोजकों के अनुसार, इस सम्मान का उद्देश्य सामाजिक, शैक्षणिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना है। सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. सिंकर ने कहा कि पर्यावरण पत्रकारिता केवल खबरें देने तक सीमित नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के बीच एक जिम्मेदार सेतु है, और यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक ईमानदारी व गंभीरता से काम करने की प्रेरणा देता है।

विश्व कैंसर दिवस आज

ओरल और ब्रेस्ट कैंसर के 39 नए मामले आए सामने

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

हर साल 4 फरवरी को दुनिया भर में 'वर्ल्ड कैंसर डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना और समय पर जांच (Diagnosis) को बढ़ावा देना है। इस वर्ष के अभियान के तहत ठाणे ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए विशेष स्वास्थ्य सर्वेक्षण में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। वर्ष 2025-2026 के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में ओरल कैंसर के 22 और ब्रेस्ट कैंसर के 17 नए मामलों की पुष्टि हुई है, जबकि यूटेराइन (गर्भाशय) कैंसर के 3 मामले भी दर्ज किए गए हैं।

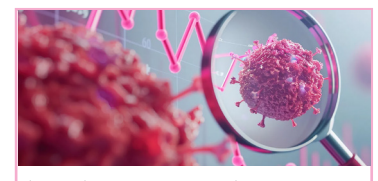

कैंसर के मुख्य कारण और बढ़ता खतरा विशेषज्ञों के अनुसार, कैंसर एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके बढ़ते प्रसार के पीछे मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

तंबाकू और शराब: ओरल और लंग्स कैंसर का सबसे बड़ा कारण।

असंतुलित आहार: जंक फूड का अधिक सेवन और ताजे भोजन की कमी।

बढ़ता तनाव और प्रदूषण: आधुनिक जीवनशैली का मानसिक दबाव।

व्यायाम की कमी: शारीरिक सक्रियता न होना।

बचाव का मंत्र: नियमित स्क्रीनिंग और व्यसनमुक्ति

वर्ल्ड कैंसर डे के मौके पर प्रशासन ने विशेष स्क्रीनिंग गाइडलाइन जारी की है। महिलाओं के लिए नियमित ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की जांच तथा पुरुषों के लिए ओरल व लंग्स की स्क्रीनिंग को अनिवार्य बताया गया है। ठाणे जिला परिषद ने अपील की है कि नागरिक एक तनावमुक्त और व्यसनमुक्त जीवनशैली अपनाएं।

'तीसरी मुंबई' के बहाने पूंजीवाद को बढ़ावा: कांग्रेस

डीबीडी संवाददाता । रायगढ़

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने 'तीसरी मुंबई' परियोजना को लेकर राज्य की महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है। रायगढ़ जिले के जासई और चिरनेर समेत अन्य इलाकों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए सपकाल ने आरोप लगाया कि सरकार पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने केंद्र और राज्य पर निशाना साधते हुए कहा, देश में ऐसी स्थिति बन गई है कि दो गुजराती बेच रहे हैं और दो खरीद रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अब तीसरी मुंबई के बहाने पूंजीपति रायगढ़ के भूमिपुत्रों की जमीन हड़पने के लिए दहलीज पर आ खड़े हुए हैं।

'NM' की आड़ में साजिश का आरोप

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण के मुद्दे पर भी सपकाल ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से इस हवाई अड्डे का नाम दिवंगत नेता डीबी पाटिल के नाम पर रखने की पक्षधर रही है, लेकिन सरकार जानबूझकर इसमें देरी कर रही है। उन्होंने एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में हवाई अड्डे का नाम 'NM' दिखाई दे रहा है। सपकाल ने चेतावनी दी, यदि 'NM' की आड़ में इसे नरेंद्र मोदी का नाम देने की कोई भी गुप्त साजिश की गई, तो जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

भूमिपुत्रों के अधिकारों की लड़ाई है जिला परिषद चुनाव : सपकाल

हर्षवर्धन सपकाल ने आगामी जिला परिषद चुनाव को केवल राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि स्थानीय भूमिपुत्रों के अस्तित्व और अधिकारों की लड़ाई करार दिया। उन्होंने कहा कि यह देश मुट्ठी भर उद्योगपतियों का नहीं बल्कि आम जनता का है। उन्होंने प्रसिद्ध लोकनेता डीबी पाटिल के संघर्ष को याद करते हुए जनता से अपील की कि वे एकजुट होकर महाविकास आघाड़ी को विजयी बनाएं ताकि पूंजीवादी ताकतों को रोका जा सके। सपकाल ने रायगढ़ की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का हवाला देते हुए स्थानीय नागरिकों से अपनी परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक रहने को कहा।

पालघर में दूसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण पूरा

बुलेट ट्रेन परियोजना

डीबीडी संवाददाता । पालघर

देश की पहली हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर लिया है। केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने पालघर में 454 मीटर लंबी पर्वतीय सुरंग (MT-6) के सफल निर्माण की घोषणा की। यह इस जिले में मात्र एक महीने के भीतर तैयार होने वाली दूसरी सुरंग है। इससे पहले 2 जनवरी 2026 को सफाले के पास MT-5 सुरंग का काम पूरा किया गया था। यह सफलता भारत के इंजीनियरिंग कौशल और 'मेक इन इंडिया' मशीनों की ताकत को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करती है।

इंजीनियरिंग का कमाल: 12 महीने में पहाड़ के आर-पार हुआ रास्ता

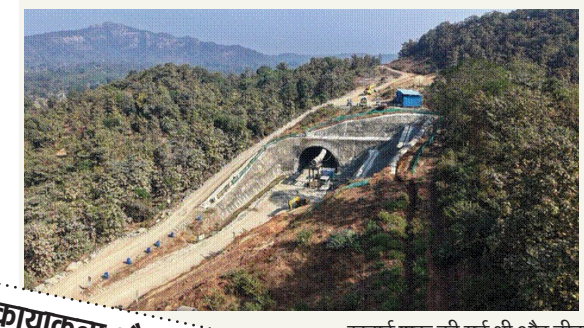

454 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी इस सुरंग को 'न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड' (NATM) तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है। पालघर जैसी जटिल भौगोलिक स्थितियों के लिए यह तकनीक सबसे उपयुक्त मानी जाती है। ड्रिल और नियंत्रित ब्लास्ट विधि के जरिए पहाड़ के दोनों सिरों से खुदाई शुरू की गई थी और ठीक 12 महीने के भीतर दोनों टीमें केंद्र में मिलीं। सुरंग इतनी चौड़ी है कि इसमें मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के 'अप' और 'डाउन' दोनों ट्रैक एक साथ समाहित होंगे।

पालघर का कायाकल्प और सुरक्षा मानक

पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सवारा ने इस उपलब्धि के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) और आगामी वधवन पत्तन जैसी परियोजनाओं से पालघर जिला विकास के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। सुरंग निर्माण के दौरान श्रमिकों की सुरक्षा के लिए रॉक बोल्ट, शॉटक्रेटिंग और वास्तविक समय की निगरानी जैसे कड़े सुरक्षा मानकों का पालन किया गया।

2029 तक मुंबई को मिलेगी बुलेट ट्रेन की सौगात

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने परियोजना की समयसीमा (Timeline) साझा करते हुए बताया कि 2027 में गुजरात खंड में वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। 2028 में हाई-स्पीड रेल का परिचालन महाराष्ट्र के ठाणे तक शुरू होने की संभावना है। 2029 में पूरा कॉरिडोर तैयार हो जाएगा और बुलेट ट्रेन मुंबई (बीकेसी) तक पहुँचने लगेगी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जिस गति से टीम काम कर रही है, उससे न केवल बुनियादी ढांचा मजबूत हो रहा है बल्कि देश में एक नया आत्मविश्वास भी पैदा हुआ है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। निवेश शुभ रहेगा। लंबी यात्रा का मन बनेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृष प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। शत्रु पस्त होंगे। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

मिथुन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। क्रोध व उत्तेजना से बाधा उत्पन्न होगी। नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। दूसरों के काम में दखल न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पठन-पाठन व लेखन आदि में मन लगेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

सिंह देव-दर्शन का कार्यक्रम बनेगा। अध्यात्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। प्रभावशालीव व्यक्तियों से परिचय बढ़ेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या किसी अपरिचित की बातों में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में अधिक प्रयास करना पड़ेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी झगड़े में न पड़ें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

तुला भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से दिल को ठेस पहुंच सकती है। बनते काम बिगड़ सकते हैं, धैर्य रखें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। किसी के उकसावे में न आएं। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

वृश्चिक घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास बना रहेगा। नौकरी व व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी।

धनु सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा की योजना बनेगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

मकर प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक लाभ बढ़ेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

कुंभ यात्रा मनोरंजक रहेगी। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। व्यस्तता के चलते थकान महसूस होगी। विवेक से कार्य करें। लाभार्जन सहज होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन यात्रा मनोरंजक रहेगी। नई योजना बनेगी। व्यवसाय में वृद्धि के लिए सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से बचें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

मंगल का अग्नि-पथ : त्रिक भावों में जीवित रहने की ज्वाला

मंगल को केवल एक ग्रह के रूप में देखना उसकी वास्तविक भूमिका को कम करके आँकना है। मंगल दरअसल जीवन को बचाए रखने वाली मूल जैविक शक्ति है। यह वही ऊर्जा है जो खतरे के क्षण में रक्तचाप बढ़ाती है, हृदय की गति तेज़ करती है, मांसपेशियों को सख़्त बनाती है और मस्तिष्क को निर्णय लेने के लिए विवश करती है। यही कारण है कि ज्योतिष में मंगल को साहस, रक्त, आक्रामकता और इच्छाशक्ति का प्रतीक माना गया है। जब मंगल त्रिक भावों—षष्ठ, अष्टम और द्वादश—में स्थित होता है, तब यह ऊर्जा सहज और सौम्य नहीं रहती। यह अस्तित्व की लड़ाई में बदल जाती है। इसे ही ज्योतिष की भाषा में "शक्ति का दहन" कहा गया है, जहाँ ऊर्जा या तो व्यक्ति को अजेय बनाती है या भीतर ही भीतर संघर्ष का कारण बनती है।

प्रियंका जैन
9769994439

षष्ठ भाव में मंगल व्यक्ति को निरंतर संघर्ष की स्थिति में रखता है। यह भाव रोग, ऋण और शत्रुओं का है, लेकिन इसका गहरा अर्थ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली और मन की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता से जुड़ा है। यहाँ मंगल बैठकर शरीर को लगातार सर्वाइवल मोड में रखता है। आधुनिक विज्ञान की भाषा में देखें तो ऐसे व्यक्ति की एड्रिनल ग्रंथियाँ सामान्य से अधिक सक्रिय रहती हैं। एड्रेनालाईन और कोर्टिसोल का स्तर ऊँचा होने के कारण ये लोग दबाव में टूटते नहीं, बल्कि और अधिक प्रभावी हो जाते हैं। संकट इनके लिए भय नहीं, बल्कि चुनौती होता है। यही कारण है कि ऐसे लोग युद्धभूमि, ऑपरेशन थिएटर, अदालत, खेल के मैदान या किसी भी प्रतिस्पर्धी वातावरण में असाधारण प्रदर्शन करते हैं। शोधों से स्पष्ट होता है कि इस स्थिति वाले लोगों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया तेज़ होती है। टी-सेल्स की सक्रियता अधिक होने के कारण ये बीमारियों से जल्दी उबरते हैं। लेकिन इस शक्ति की एक कीमत भी होती है। लगातार ऊँचा एड्रेनालाईन स्तर रक्तचाप, एसिडिटी और मांसपेशियों की चोटों का कारण बन सकता है। ऐसे लोग अक्सर जीवन में कई बार शारीरिक कष्ट झेलते हैं, लेकिन उनकी रिकवरी क्षमता सामान्य से बेहतर होती है। मनोवैज्ञानिक स्तर पर यह मंगल व्यक्ति को "रक्षक" बनाता है। वह अन्याय सहन नहीं कर पाता और संघर्ष से भागने के बजाय उसे समाप्त करने का प्रयास करता है।

अष्टम भाव में मंगल की प्रकृति पूरी तरह बदल जाती है। यहाँ यह ऊर्जा बाहर नहीं फूटती, बल्कि भीतर गहराई में सुलगती रहती है। अष्टम भाव जीवन और मृत्यु, परिवर्तन और पुनर्जन्म का भाव है। मंगल यहाँ एक ऐसे ज्वालामुखी की तरह होता है जो शांत दिखता है, लेकिन भीतर निरंतर उबाल चल रहा होता है। जैविक दृष्टि से यह स्थिति शरीर की पुनरुत्पादन क्षमता से जुड़ी मानी जा सकती है। कई अध्ययनों में देखा गया है कि गंभीर चोट, सर्जरी या मानसिक आघात के बाद ऐसे लोग असाधारण रूप से उबरते हैं। उनमें संकट से गुजरकर बदल जाने की क्षमता होती है। मनोवैज्ञानिक रूप से अष्टम भाव का मंगल व्यक्ति को रहस्यमयी, तीव्र और गहन बनाता है। ये लोग सतही जीवन से संतुष्ट नहीं होते। इन्हें गूढ़ विषय, शोध, रहस्य, मृत्यु, मनोविज्ञान और परिवर्तन आकर्षित करते हैं। इनके जीवन में अचानक दुर्घटनाएँ, ऑपरेशन या बड़े उलटफेर आ सकते हैं, लेकिन हर बार यह मंगल उन्हें पहले से अधिक मजबूत बनाकर खड़ा करता है।

बिहार: अब तक का सबसे बड़ा जंबो बजट पेश

एजेंसी । पटना

बिहार सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 3 लाख 47 हजार 589 करोड़ रुपए का बजट विधानसभा में पेश कर विकास का नया रोडमैप रखा है। वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने भोजनावकाश के बाद बजट प्रस्तुत करते हुए इसे समावेशी विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक न्याय की दिशा में निर्णायक कदम बताया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में कहीं अधिक है और राज्य की तेज आर्थिक रफ्तार को दर्शाता है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने का दस्तावेज है, जिसमें आर्थिक मजबूती के साथ-साथ सामाजिक संतुलन और व्यापक रोजगार सृजन को केंद्र में रखा गया है।

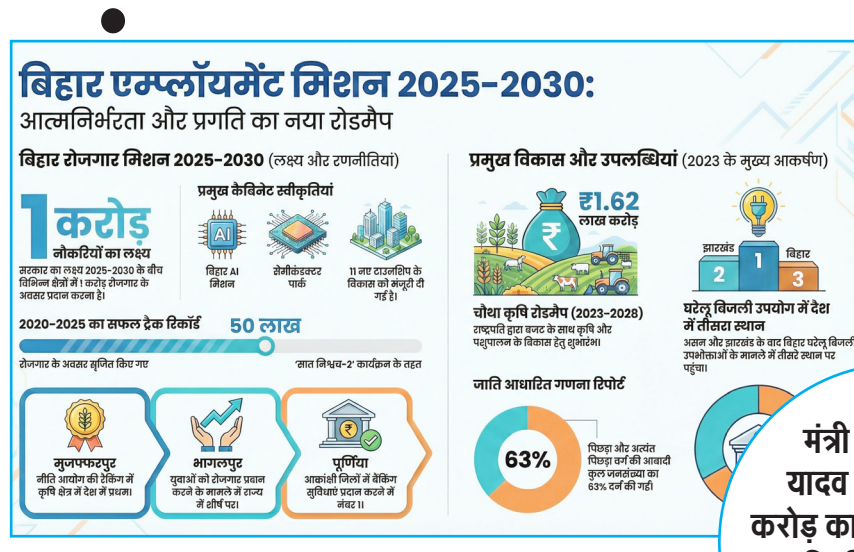

बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश

सड़क, पुल, बिजली, पेयजल और भवन निर्माण जैसे क्षेत्रों के लिए 63,455 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय तय किया गया है। ग्रामीण सड़कों के विस्तार से बिहार सड़क घनत्व के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है।

वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने 3.47 लाख करोड़ का खाका किया पेश

कृषि, शिक्षा और रोजगार के जरिए विकास की गाड़ी दौड़ाने की फुल तैयारी

आर्थिक वृद्धि और बजट का ढांचा

वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025–26 में बिहार की आर्थिक विकास दर 14.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। बजट में योजना मद के लिए 1,22,155 करोड़ रुपए तथा स्थापना व प्रतिबद्ध व्यय के लिए 2,25,434 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कुल पूंजीगत व्यय 63,455 .84 करोड़ रुपए रखा गया है, जो कुल बजट का 18 .26 प्रतिशत है।

शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

बजट में शिक्षा क्षेत्र को सबसे बड़ा हिस्सा मिला है। स्कूल और कॉलेज शिक्षा के लिए 68,216 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो किसी भी विभाग को दिया गया सर्वाधिक आवंटन है। सरकार ने तकनीकी और उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार का भी ऐलान किया है।

अन्नदाताओं को सीधी राहत

किसानों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार के 6,000 रुपए के अलावा राज्य सरकार 3,000 रुपए अतिरिक्त देगी। इससे किसानों को सालाना 9,000 रुपए की सहायता मिलेगी।

महिला सशक्तिकरण और जीविका

स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1 .56 करोड़ से अधिक महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने पर जोर दिया गया है। महिलाओं को कारोबार बढ़ाने के लिए 10,000 रुपए से लेकर 2 लाख रुपए तक की सहायता या ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। 'जीविका' मॉडल को रोजगार सृजन का मुख्य आधार बनाया गया है।

रोजगार और खेती-किसानी का रोडमैप

सरकार ने 2025 से 2030 के बीच एक करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा है। कृषि प्रधान राज्य की पहचान को मजबूत करते हुए कृषि रोडमैप-4 और रोडमैप-5 को आगे बढ़ाया गया है। दलहन, तिलहन, मक्का, फल और सब्जी उत्पादन को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग यूनिट और एग्री-स्टार्टअप को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक न्याय

स्वास्थ्य विभाग के लिए 21,270 करोड़ और ग्रामीण विकास के लिए 23,701 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जिला अस्पतालों को सुपर स्पेशियलिटी स्तर तक ले जाने की योजना बनाई गई है। गृह विभाग को 20,132 .87 करोड़ रुपए मिले हैं। अनुसूचित जाति के लिए 19,603 करोड़ और अनुसूचित जनजाति के लिए 1,648 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। ऊर्जा विभाग के लिए 18,737 .06 करोड़ रुपए तय किए गए हैं। प्रति व्यक्ति बिजली खपत बढ़कर 374 यूनिट हो गई है।

बिहार सरकार द्वारा पेश बजट के प्रमुख बिंदु

- कुल बजट आकार: 3,47,589 करोड़ रुपए
- अनुमानित आर्थिक वृद्धि दर: 14.9 प्रतिशत
- योजना मद: 1,22,155 करोड़ रुपए
- पूंजीगत व्यय: 63,455.84 करोड़ रुपए (कुल बजट का 18.26%)

शिक्षा को प्राथमिकता

- स्कूल व कॉलेज शिक्षा के लिए 68,216 करोड़ रुपए (सबसे बड़ा आवंटन)

किसानों के लिए बड़ी राहत

- मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि में राज्य सरकार की ओर से 3,000 रुपए अतिरिक्त
- किसानों को कुल 9,000 रुपए प्रतिवर्ष सहायता

रोजगार का लक्ष्य

- 2025 से 2030 के बीच 1 करोड़ रोजगार सृजन का लक्ष्य

महिला सशक्तिकरण

- 1.56 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सहयोग
- 10,000 से 2 लाख रुपए तक सहायता/ऋण

कृषि पर विशेष फोकस

- कृषि रोडमैप-4 और 5 को आगे बढ़ाया गया
- दलहन, तिलहन, मक्का, फल-सब्जी उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य
- कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग यूनिट और एग्री-स्टार्टअप को बढ़ावा

स्वास्थ्य व ग्रामीण विकास

- स्वास्थ्य: 21,270 करोड़ रुपए
- ग्रामीण विकास: 23,701 करोड़ रुपए
- जिला अस्पतालों को सुपर स्पेशियलिटी बनाने की योजना

सुरक्षा और ऊर्जा

- गृह विभाग: 20,132.87 करोड़ रुपए
- ऊर्जा विभाग: 18,737.06 करोड़ रुपए
- नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर

सामाजिक न्याय

- अनुसूचित जाति: 19,603 करोड़ रुपए
- अनुसूचित जनजाति: 1,648 करोड़ रुपए

राजकोषीय स्थिति

- राजकोषीय घाटा: जीएसडीपी का 2.99%
- कुल कर्ज: जीएसडीपी का 37.7% (सुरक्षित स्तर)

राजस्व अनुमान

- कुल राजस्व प्राप्ति: 2,85,277 करोड़ रुपए
- राज्य कर आय: 65,800 करोड़ रुपए
- केंद्र से सहायता/अनुदान: 1,58,178 करोड़ रुपए

UP बनेगा वैश्विक दवा निर्माण का केंद्र: नड्डा

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश को फार्मास्युटिकल और मेडिकल डिवाइस निर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में आयोजित 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव-1' का उद्घाटन किया। देश-विदेश से आए निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति विशेषज्ञों की मौजूदगी में प्रदेश ने फार्मा निवेश के लिए अपनी ताकत और तैयारियों का दमदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत आज दुनिया का भरोसेमंद फार्मास्युटिकल हब बन चुका है। वैश्विक जेनरिक दवाओं का लगभग 20 प्रतिशत और वैक्सीन की करीब 60 प्रतिशत मांग भारत से पूरी हो रही है। भारतीय दवाएं 200 से अधिक देशों तक पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि अनुसंधान से लेकर निर्माण और निर्यात तक पूरे सेक्टर को सशक्त किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- फार्मा शक्ति के रूप में उभरा भारत

राजधानी में 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव-1' का उद्घाटन

फार्मा उद्योग का सबसे बड़ा बाजार: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश फार्मा सेक्टर के लिए देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। मजबूत लॉजिस्टिक्स, पर्याप्त जल संसाधन, व्यापक एक्सप्रेस-वे नेटवर्क और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी निवेश की बड़ी ताकत हैं। उन्होंने बताया कि देश के 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे यूपी में हैं और राज्य में 16 हवाई अड्डे संचालित हो रहे हैं, जिनमें चार अंतरराष्ट्रीय हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए निवेशकों को त्वरित मंजूरी दी जा रही है। कानून-व्यवस्था में सुधार और पारदर्शी शासन ने निवेश के लिए भरोसेमंद माहौल बनाया है। औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उद्योग लगाइए, सरकार खरीदेगी दवा: ब्रजेश

उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने निवेशकों से प्रदेश में दवा और मेडिकल डिवाइस निर्माण इकाइयां स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य में बनी दवाओं को सरकारी खरीद में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यूपी में सर्वाधिक मेडिकल कॉलेज, हजारों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सैकड़ों विशिष्ट अस्पताल और व्यापक ओपीडी नेटवर्क है, जहां हर वर्ष 50 करोड़ से अधिक मरीजों का इलाज होता है। बेहतर बुनियादी ढांचे, 24 घंटे बिजली, मजबूत सड़क-रेल नेटवर्क और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ उत्तर प्रदेश तेजी से निवेश और रोजगार का केंद्र बन रहा है।

वाराणसी में संत रविदास महोत्सव 2026 आयोजित

वाराणसी। संत शिरोमणी एवं महान समाज सुधारक संत रविदास जी की जयंती के अवसर पर वाराणसी में संत रविदास महोत्सव–2026 का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन ऑयल एवं संत रविदास सोसायटी के सौजन्य से संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नागरिकों ने भाग लिया। महोत्सव की खास बात यह रही कि इसमें भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा और सुप्रसिद्ध गायिका पद्मश्री डॉ शोमा घोष ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों कलाकारों की सुमधुर भजन प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान भजन के साथ-साथ अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर महामना

पंडित मदन मोहन मालवीय एवं डॉ होमी भाभा (टाटा) कैंसर अस्पताल, वाराणसी के पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा जाने-माने समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद जैसवार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राजेंद्र प्रसाद जैसवार पूर्व में मुंबई स्थित टाटा कैंसर अस्पताल में वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में वे वाराणसी में एक बड़े निजी अस्पताल में वरिष्ठ अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वाराणसी में स्थापित टाटा कैंसर अस्पताल की स्थापना में उनकी अहम भूमिका रही है। इसके अलावा देशभर में कैंसर से पीड़ित किसी भी मरीज के संपर्क में आने पर वे इलाज से लेकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में सदैव सक्रिय रहते हैं, जिसके लिए उन्हें व्यापक सम्मान प्राप्त है। संत रविदास जयंती के अवसर पर काशी में रैदास समाज के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। माघ पूर्णिमा के दिन मनाई जाने वाली संत रविदास की 649वीं जयंती पर श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलन किया और जमकर आतिशबाजी कर उत्सव को उल्लासपूर्ण बनाया। पूरा क्षेत्र भक्ति, आस्था और सामाजिक समरसता के रंग में रंगा नजर आया।

व्यापार जगत

US ट्रेड डील से झूमा बाजार, झोली में गिरे 12.06 लाख करोड़

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के ऐलान ने मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार को नई ऊर्जा से भर दिया। शुरुआती कारोबार से ही बाजार में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और निवेशकों ने खुलकर खरीदारी की। दिन के दौरान मुनाफावसूली के कारण उतार-चढ़ाव जरूर आया, लेकिन कारोबारी सत्र के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों मजबूती के साथ बंद हुए। इस जोरदार तेजी के चलते निवेशकों की कुल संपत्ति में एक ही दिन में 12.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कारोबार की शुरुआत के साथ ही बीएसई का सेंसेक्स 3,656 अंक उछलकर खुला और कुछ ही मिनटों में 4,205 अंक की ऐतिहासिक छलांग लगाते हुए ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, ऊंचे स्तरों पर मुनाफा वसूली के दबाव से सेंसेक्स में तेज गिरावट भी देखने को मिली, लेकिन बाद में खरीदारों की मजबूत वापसी से बाजार ने दोबारा रफ्तार पकड़ी। अंत में सेंसेक्स 2.54 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी भी पूरे दिन मजबूती दिखाते हुए 2.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार समाप्त करने में सफल रहा।

समझौते की घोषणा होते ही बाजार में दिखी तेजी, दिनभर हुई खरीदारी

मजबूती के साथ सेंसेक्स और निफ्टी बंद, निवेशकों की संपत्ति में वृद्धि

प्रत्येक सेक्टर में दिखी मजबूती

सेक्टोरल मोर्चे पर भी बाजार की चौतरफा मजबूती देखने को मिली। बैंकिंग, ऑटो, कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, मेटल और आईटी जैसे प्रमुख सेक्टरों में जमकर लिवाली हुई। खासतौर पर कैपिटल गुड्स और ऑटो सेक्टर में निवेशकों का भरोसा साफ नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी तेजी का असर दिखा और मिडकैप तथा स्मॉलकैप शेयरों ने बड़ी बढ़त दर्ज की, जिससे छोटे निवेशकों को भी अच्छा लाभ हुआ।

अदाणी, जियो, बजाज टाप गेनर्स

शेयरों की चाल की बात करें तो बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर अधिकांश शेयर हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयरों ने मजबूती दिखाई, जबकि निफ्टी के 50 में से 47 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। दिग्गज शेयरों में अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, जियो फाइनेंशियल, बजाज फाइनेंस और इंटरग्लोब एविएशन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप गेनर्स की सूची में जगह बनाई। वहीं कुछ गिने-चुने शेयरों में ही हल्की कमजोरी देखने को मिली।

मार्केट कैप में 467.09 करोड़

बाजार में आई इस मजबूती का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 467 .09 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 455 .03 लाख करोड़ रुपये था। यानी महज एक सत्र में निवेशकों को करीब 12 .06 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ।

PF कर नियमों में बदलाव का EPFO ने किया स्वागत

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय बजट 2026-27 में कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) से जुड़े आयकर नियमों में किए गए बदलाव का कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सकारात्मक कदम करार दिया है। ईपीएफओ ने कहा कि यह कदम नियमों में स्पष्टता लाएगा, मुकदमेबाजी कम करेगा और सदस्यों व नियोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में मदद करेगा।

मुख्य बदलाव और प्रभाव

अब आयकर छूट केवल उन्हीं भविष्य निधियों को मिलेगी, जो कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के तहत मान्यता प्राप्त हैं। सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश की 50% सीमा हटा दी गई है, जिससे ईपीएफ निवेश अधिक विविध और लचीला होगा। अब नियोक्ता का योगदान अधिकतम 7 .5 लाख रुपये तक करमुक्त रहेगा; इससे अधिक योगदान पर कर लगेगा। यह बदलाव पीएफ अधिनियम और आयकर अधिनियम के बीच सामंजस्य स्थापित करता है और नियमों को तर्कसंगत बनाता है।

एफआईपीआई अवॉर्ड से सम्मानित हुआ एचपीसीएल

एजेंसी । मुंबई

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) 2026 के दौरान प्रतिष्ठित एफआईपीआई 'ऑयल मार्केटिंग कंपनी ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2025' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ऑयल मार्केटिंग क्षेत्र में एचपीसीएल के उत्कृष्ट परिचालन प्रदर्शन, नवाचार और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। ह सम्मान माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा प्रदान किया

गया। कार्यक्रम में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल, ओएनजीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अरुण कुमार सिंह तथा आईओसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अरविंदर सिंह साहनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। एचपीसीएल की ओर से यह पुरस्कार अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विकास कौशल ने निदेशक–विपणन अमित गर्ग और कार्यकारी निदेशक–एमआरएएंडपी एवं व्यवसाय विकास संजय कुमार के साथ प्राप्त किया। एफआईपीआई द्वारा दिया गया यह अवॉर्ड एचपीसीएल के उत्कृष्ट परिचालन निष्पादन, ग्राहक-केंद्रित डिजिटल पहलों और संधारणीय तथा भविष्योन्मुखी ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी ने विपणन क्षेत्र में नवाचार, दक्षता और मूल्य सृजन पर निरंतर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप सेवाएं विकसित की हैं। यह सम्मान एचपीसीएल की उस मजबूत भूमिका को भी उजागर करता है, जिसके माध्यम से वह देश की ऊर्जा प्राथमिकताओं के अनुरूप एक अग्रणी, विश्वसनीय और जिम्मेदार ऊर्जा कंपनी के रूप में अपनी पहचान को और सुदृढ़ कर रही है।

भारत-अमेरिका का व्यापार समझौता ऐतिहासिक: खंडेलवाल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए व्यापार समझौते को देश के प्रमुख व्यापारी संगठन कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने "ऐतिहासिक कदम" बताया है। उन्होंने इसे विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला बताया।

व्यापार और निवेश में बढ़ोतरी

खंडेलवाल के अनुसार यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को तेज गति देगा और भारत में निवेश आकर्षित करेगा। एमएसएमई, स्टार्टअप्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहलों को मजबूती मिलेगी, जिससे भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजारों में व्यापक पहुंच और घरेलू मूल्य श्रृंखला में सुदृढ़ता आएगी।

उद्योगों को होगा विशेष लाभ

इस समझौते से विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र और आभूषण, कृषि उत्पाद, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों को फायदा मिलेगा। खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय निर्यातकों, व्यापारियों और उद्यमियों को व्यापार अवरोध कम होने, बेहतर बाजार पहुँच और प्रौद्योगिकी सहयोग का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

नवाचार, विकास और साझेदारी

उन्होंने आगे कहा कि यह समझौता नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और उच्च तकनीक सहयोग को भी बढ़ावा देगा। इससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि होगी और सतत आर्थिक विकास को गति मिलेगी। खंडेलवाल ने इसे केवल व्यावसायिक समझौता नहीं बल्कि रणनीतिक आर्थिक साझेदारी करार दिया।

विदेशी टीमों में रंग जमाते नजर आएंगे भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी । नई दिल्ली

विश्व कप की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। खिलाड़ी ताल ठोकने के लिए तैयार है। टूर्नामेंट में खेल रही 20 टीमों में से नौ टीमों में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की भरमार है। इन टीमों में करीब 40 खिलाड़ी भारत के हैं जो अपनी 'घरेलू धरती' पर छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। भारतीय टीम सात फरवरी को जब अमेरिका के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी तो उस टीम में भी आधे खिलाड़ी भारतीय ही होंगे। इनमें एक तो भारत के लिए अंडर-19 विश्व कप भी खेल चुका है।

सूर्य के साथ खेले सौरभ अब उनके खिलाफ खेलेंगे

मुंबई में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर 2010 में भारतीय विकेटकीपर केएल राहुल और मयंक अग्रवाल के साथ अंडर-19 विश्व कप में खेले थे।

उन्होंने नौ विकेट चटकाए थे और भारत की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले थे। वह भारतीय कप्तान सूर्यकुमार के साथ मुंबई के लिए भी खेल चुके हैं। अब उन्हीं के खिलाफ जब सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में उतरेंगे तो यह उनके लिए यादगार पल होगा।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करने वाले इस 34 वर्षीय खिलाड़ी नेत्रवलकर भारत की अधिक चुनौतीपूर्ण पिचों पर खेलने के लिए बेताब हैं।

मोनांक अपने साथी बुमराह के खिलाफ खेलने को बेताब

बुमराह के पूर्व साथी रहे मोनांक पटेल अमेरिका की कमान संभाल रहे हैं। आनंद में जन्मा यह 32 वर्षीय ओपनर गुजरात अंडर-19 टीम के अपने साथी बुमराह का सामना करने के लिए उत्सुक है। वह मैदान के बाहर अपने बचपन के दिनों को याद कर रहे हैं। मोनांक ने कहा, हमने साथ में लाल गेंद और सफेद गेंद दोनों तरह की क्रिकेट खेली है। वह वाकई बहुत खास पल थे।

दिलप्रीत और जतिंदर भी दिखाएंगे दम

गुरदासपुर में जन्मे दिलप्रीत बाजवा 2020 में ही कनाडा गए थे। छह साल बाद वह कनाडा की टीम के कप्तान के रूप में भारत आए हैं। पंजाब में आयु वर्ग की क्रिकेट में ढेरों रन बनाने के बावजूद बाजवा को वह मौके नहीं मिले जिनकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने निराशा को खुद पर हावी नहीं होने दिया। कनाडा ग्लोबल टी-20 लीग में मिली सफलता से उन्होंने कनाडा की टीम में जगह बनाई और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह 2024 के विश्व कप में भी टीम का हिस्सा था। लुधियाना में जन्मे जतिंदर ओमान की अगुआई करेंगे। यह 36 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से अधिक समय से क्रिकेट खेल रहा है, लेकिन उन्हें भारत में खेलने का अवसर कभी नहीं मिला। ओमान के सभी लीग मैच श्रीलंका में होने के कारण जतिंदर के लिए अपनी जन्मभूमि में खेलने का सपना पूरा कर पाना मुश्किल लग रहा है।

इटली के लिए खेलेंगे फगवाड़ा के जसप्रीत

फगवाड़ा में जन्मे जसप्रीत सिंह पर भी सभी की निगाह रहेंगी। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी 2006 में अपने परिवार के साथ मिलान चला गया था। 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलना उस तेज गेंदबाज के लिए सपने जैसा है, जो कुछ समय पहले तक आजीविका के लिए उबर ड्राइवर के रूप में काम करता था।

आर्यन नीदरलैंड्स के लिए खेलेंगे

आर्यन दत्त को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने का अनुभव है। नीदरलैंड्स की टीम में भारतीय मूल के एकमात्र क्रिकेटर दत्त का लक्ष्य प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करके शीर्ष टीमों को हैरान करना है। दत्त का परिवार 1980 के दशक में होशियारपुर से नीदरलैंड्स चला गया था। भारत में अब भी उनके परिवार के कुछ सदस्य रहते हैं।

7 साल से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ अजेय है

युवा ब्रिगेड की निगाह दसवें फाइनल पर

5 पिछले मुकाबलों में से भारतीय टीम ने लगातार चार जीते हैं और एक अफगानिस्तान से हारा है

अंडर-19 विश्व कप

हरारे। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की सह-मेजबानी में खेले जा रहे अंडर-19 वनडे विश्व कप में अजेय भारतीय युवा ब्रिगेड बुधवार को इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतरेगी। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली टीम इंडिया सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अपराजेय रही है और उसकी नजरें लगातार छठी और कुल दसवीं बार फाइनल का टिकट कटाने पर टिकी हैं। पांच बार की रिकॉर्ड चैंपियन भारत ने इस बार भी ग्रुप स्टेज से लेकर सुपर सिक्स तक अपनी बादशाहत कायम रखी है।

अभिज्ञान और वैभव के कंधों पर बल्लेबाजी का दारोमदार

भारतीय बल्लेबाजी की सबसे मजबूत कड़ी विकेट कीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू साबित हुए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 मैचों में 199 रन बनाकर मध्यक्रम को मजबूती दी है। वहीं, आक्रामक ओपनर वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी विपक्षी गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। प्रबंधन को उम्मीद है कि वैभव अपनी छोटी पारियों को सेमीफाइनल जैसे बड़े मंच पर शतक में तब्दील करेंगे। इसके अलावा जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक जड़ने वाले ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा से भी टीम को बड़े योगदान की उम्मीद रहेगी।

अफगानिस्तान की चुनौती और इतिहास

अफगानिस्तान को कमतर आंकना भारत के लिए भारी पड़ सकता है, क्योंकि इस टीम ने 5 में से 4 मैचों में जीत दर्ज की है। सुपर सिक्स में पाकिस्तान पर 58 रन की शानदार जीत के बाद भारत का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। अगर भारतीय टीम बुधवार को जीत दर्ज करती है, तो वह विश्व कप इतिहास की सबसे सफल टीम के रूप में एक और कदम आगे बढ़ा देगी।

आमने-सामने
कुल मैच : 12
भारत जीता : 10
अफगानिस्तान जीता : 2

गेंदबाजी में म्हात्रे और पटेल की धार

गेंदबाजी विभाग में कप्तान आयुष म्हात्रे ने अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से 6 विकेट लेकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, हालांकि उनका बल्ला अभी शांत है। तेज गेंदबाजी का मोर्चा हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश संभालेंगे, जिन्हें स्पिनर खिलन पटेल का बखूबी साथ मिल रहा है। टीम के लिए एकमात्र चिंता का विषय आरोन जॉर्ज की फॉर्म है, जो अब तक केवल 46 रन बना सके हैं।

हमारा ध्यान विश्व कप जीतने पर : मार्श

लाहौर। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा कि उनका पूरा ध्यान टी-20 विश्व कप जीतने पर है। ऑस्ट्रेलिया को टी-20 सीरीज में पाक से 0-3 से हार मिली। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम के रूप में हमें वहां के लोगों पर भरोसा है कि वे हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा। मार्श से जब 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का पाक द्वारा बहिष्कार करने के संबंध में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, इस समय मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। हम विश्व कप में सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। बाकी चीजें अपने आप सुलझ जाएंगी। पत्रकारों ने उनसे बांग्लादेश को 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण भारत आने से इनकार करने पर प्रतियोगिता से बाहर करने के बारे में भी सवाल पूछा गया जिस पर उनकी प्रतिक्रिया पहले जैसी ही थी। उन्होंने कहा, मेरी पिछली प्रतिक्रिया भी यही थी। हम विश्व कप जीतने की कोशिश करने जा रहे हैं और हमारा पूरा ध्यान इसी पर केंद्रित है। हमें वहां के लोगों पर भरोसा है कि वे हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप के शुरुआती चरण के दौरान श्रीलंका में रहेगा। वह इस दौरान श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान का सामना करेगा।

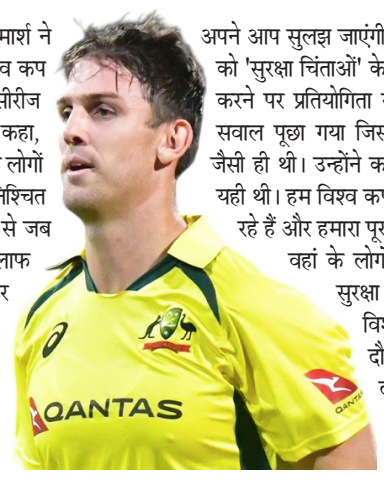

भांबरी शीर्ष 20 में दूसरे भारतीय

युगल रैंकिंग

चंडीगढ़। भारतीय टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। ताजा सूची में 33 साल के युकी दो स्थान चढ़कर 20वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इससे वह रोहन बोपन्ना के बाद शीर्ष 20 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष डबल्स खिलाड़ी बन गए हैं। स्वीडन के आंद्रे गोरान्सन के साथ जोड़ी बनाकर युकी साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर तक पहुंचे।

सभी टेस्ट खेलने की इच्छा के कारण बाहर हुआ : कमिंस

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चोटिल होने के कारण विश्व कप से बाहर होने का उनका फैसला आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होने की इच्छा से भी प्रेरित था, जिसमें वह सभी मैच खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट और वनडे कप्तान कमिंस पीठ की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण टी-20 विश्व कप से बाहर हो गए। उन्होंने कहा, यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली सी परेशानी हुई और उससे उबरने के लिए समय कम पड़ गया। मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा। एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था।

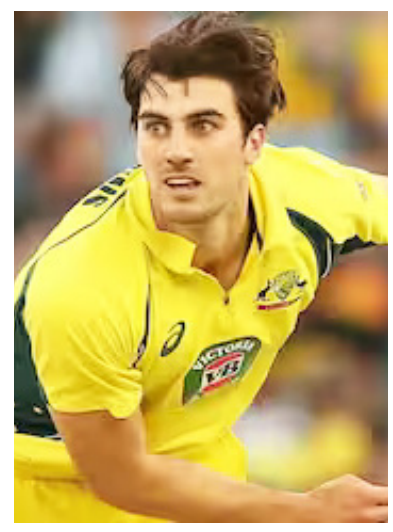

बॉलीवुड

'गोलमाल 5' में करीना कपूर

रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'गोलमाल 5' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म में करीना कपूर की वापसी तय हो गई है, जो एक बार फिर अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इसके साथ ही अक्षय कुमार की एंट्री ने कास्टिंग को लेकर बड़ा धमाका कर दिया है।

फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, करीना की कास्टिंग को लेकर तारीखों और कुछ अन्य मुद्दों पर बातचीत चल रही थी। रोहित शेट्टी और अजय देवगन उन्हें फिल्म में लेने के लिए उत्सुक थे, वहीं करीना भी फ्रेंचाइजी में लौटने को लेकर तैयार थीं। आखिरकार रोहित की टीम द्वारा तैयार किए गए एक मजेदार और अनोखे किरदार पर सहमति बन गई।

सितारों का महा-संगम

अजय देवगन, अक्षय कुमार और करीना कपूर जैसे बड़े सितारों के साथ 'गोलमाल 5' को अब तक की सबसे बड़ी टीम माना जा रहा है। ट्रेड जानकारों का कहना है कि फ्रेंचाइजी के चारों हिस्सों की सफलता के बाद इस नई कास्टिंग ने दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। बॉक्स ऑफिस पर लगातार हिट देने वाले रोहित शेट्टी के भरोसे ने इस बड़े स्टारकास्ट को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई है। माना जा रहा है कि 'गोलमाल 5' कॉमेडी के साथ-साथ रिकॉर्डतोड़ ओपनिंग की ओर बढ़ सकती है।

आदित्य धर मिलाएंगे अल्लू अर्जुन से हाथ, बड़े धमाके की तैयारी

निर्देशक आदित्य धर की हालिया फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए हिंदी सिनेमा में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। फिल्म की सफलता के बाद अब इसका सीक्वल 'धुरंधरः द रिवेंज' रिलीज के लिए तैयार है, जो 19 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगा।

इसी बीच खबर है कि इस सीक्वल के बाद आदित्य अपनी लंबे समय से पेंडिंग एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम शुरू कर सकते हैं, जिसके लिए वह साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन से हाथ मिलाने की योजना बना रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, आदित्य धर और अल्लू अर्जुन के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है। बताया जा रहा है कि आदित्य ने कुछ साल पहले अल्लू को इस फिल्म की कहानी सुनाई थी और अब एक बार फिर दोनों के बीच इस पर चर्चा तेज हो गई है।

सूत्रों का कहना है कि दोनों कलाकार इस संभावित सहयोग को लेकर काफी उत्साहित हैं, हालांकि अभी आधिकारिक घोषणा बाकी है।

चर्चा है कि यह फिल्म पौराणिक कथाओं से प्रेरित एक भव्य कहानी पर आधारित हो सकती है, जिसे बड़े स्तर पर बनाने की योजना है। माना जा रहा है कि 'धुरंधरः द रिवेंज' की रिलीज के बाद मेकर्स इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान कर सकते हैं। फिलहाल अल्लू अर्जुन अपनी आने वाली फिल्मों 'AA23' और 'AA22xA6' को लेकर व्यस्त हैं, लेकिन आदित्य धर के साथ संभावित सहयोग ने पहले से ही फिल्मी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है।

'धुरंधरः द रिवेंज' का दमदार टीजर रिलीज

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' ने दुनियाभर में शानदार सफलता हासिल की थी। अब इसके बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'धुरंधरः द रिवेंज' को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है, जिसने रिलीज से पहले ही फिल्म को सुर्खियों में ला दिया है। करीब 1 मिनट 12 सेकंड लंबे इस टीजर की शुरुआत रणवीर सिंह के इंटेंस अंदाज से होती है। उनका किरदार इस बार पहले से ज्यादा आक्रामक और दृढ़ नजर आ रहा है। टीजर में कहानी के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, बल्कि पहली फिल्म के कुछ प्रभावशाली दृश्यों के जरिए माहौल तैयार किया गया है, जिससे रहस्य और रोमांच बरकरार रहे।

फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन भी अपने-अपने किरदारों में वापसी करते दिखाई देंगे।

नेटफ्लिक्स पर क्या नया? देखें पूरी लिस्ट

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स ने मंगलवार को अपनी आगामी सीरीज और फिल्मों का एलान किया है। इस साल भारतीय दर्शकों को इस प्लेटफॉर्म पर क्या खास देखने को मिलने वाला है। नजर डालते हैं पूरी लिस्ट पर?

सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का टीजर जारी

नेटफ्लिक्स पर आज मंगलवार को सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का फर्स्ट लुक जारी किया गया है। इसमें विजय वर्मा और अनिल कपूर नजर आएंगे। रिया चक्रवर्ती भी सीरीज का हिस्सा हैं।

'इक्का' में दिखेंगे सनी और अक्षय खन्ना

नेटफ्लिक्स की आगामी फिल्म 'इक्का' का एलान भी किया गया है। इसमें सनी देओल और अक्षय खन्ना लीड रोल में नजर आएंगे। सनी देओल वकील की भूमिका में दिखाई देंगे। वहीं, अक्षय खन्ना नेगेटिव रोल अदा करेंगे। 'इक्का' से सनी देओल ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे और पांचवें सीजन का एलान

इसके अलावा कॉमेडियन कपिल शर्मा अपनी हिट नॉन-फिक्शन सीरीज के दो नए सीजन के साथ वापसी करने वाले हैं। नेटफ्लिक्स ने मंगलवार को एक इवेंट में अपने इंडिया प्लान की घोषणा करते हुए 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे और पांचवें सीजन का एलान किया है।

'सुपर सुब्बू' का एलान

नेटफ्लिक्स ने दक्षिण भारतीय फिल्मों और सीरीज में दिलचस्पी रखने वाले दर्शकों के लिए भी खास ख्याल रखा है। इसी के तहत फिल्म 'सुपर सुब्बू' का एलान किया गया है। फिल्म का टीजर जारी किया गया है।

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर लगातार दूसरे दिन हंगामा

संसद में टूटी मर्यादा

- राहुल गांधी ने नरवणे पर आर्टिकल दिखाया, तो स्पीकर ने रोका
- लोकसभा स्पीकर के आसन की ओर कागज उछालने वाले आठ सांसद निलंबित

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में राहुल गांधी की स्पीच पर लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। राहुल ने मंगलवार दोपहर 2 बजे पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश्ड बुक के आर्टिकल को सदन में पेश किया। कहा- मुझे बोलने दिया जाए। उनके यह कहते ही एनडीए के सांसदों ने टोकना शुरू कर दिया। आज वे 14 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे। इस बीच हंगामा तेज होता गया। राहुल ने सोमवार को भी 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश की थी। हंगामा बढ़ने पर स्पीकर कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने राहुल को रोका और दूसरी पार्टियों के सांसदों को बोलने को कहा, लेकिन राहुल के समर्थन में सपा सांसद नरेश उत्तम पटेल, TMC सांसद शताब्दी रॉय और DMK सांसद डी एम कातिर आनंद ने बोलने से इनकार कर दिया। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते वेल में पहुंच गए। स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उछाले। इसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद पीठासीन दिलीप सैकिया ने 8 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया।

सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव

दोपहर तीन बजे जब चौथी बार लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि स्पीकर के आसन की ओर कागज फेंकने वाले सदस्यों के नाम दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐसे सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा। सदन ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके बावजूद हंगामा थमता नहीं दिखा।

किन सांसदों को किया गया निलंबित?

डीन कुरियाकोस, इडुक्की, केरल कांग्रेस
किरण रेड्डी, भोंगीर, तेलंगाना कांग्रेस
अमरिंदर सिंह, लुधियाना, पंजाब कांग्रेस
मणिकम टैगौर, तमिलनाडु कांग्रेस
गुरजीत औजला, अमृतसर, पंजाब कांग्रेस
हिबी इडेन, एर्नाकुलम, केरल कांग्रेस
एस वेंकटेशन, मदुरै सांसद CPI(M)
प्रशांत पडोले, भंडारा, महाराष्ट्र कांग्रेस

क्यों बढ़ा विवाद?

कार्यवाही के दौरान पीठासीन अधिकारी ने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद अगले वक्ताओं के नाम पुकारे। इस पर विपक्षी दलों ने विरोध जताया। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने भी बोलने से इनकार कर दिया। इससे सदन में तनाव और बढ़ गया। विपक्षी सांसद विरोध जताते हुए सदन के वेल में पहुंच गए। उन्होंने नारेबाजी की और स्पीकर के आसन की ओर कागज उछाले। हंगामा इतना बढ़ गया कि कार्यवाही चलाना मुश्किल हो गया। बार-बार अपील के बावजूद व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी। इसके बाद उन सभी पर कार्रवाई की गई। फिलहाल संसद का सत्र बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन

इसके बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सदस्यों ने लोकसभा से पार्टी सदस्यों के सस्पेंशन के खिलाफ संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार दोपहर से ही सदन में हंगामा हो रहा है, जब गांधी को 2020 के भारत-चीन संघर्ष पर पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण के अंशों पर आधारित एक लेख का हवाला देने से रोक दिया गया था।

बुजुर्गों के लिए वरदान बना 'आयुष्मान वय वंदना'

अब तक 96 लाख से अधिक कार्ड जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में केंद्र सरकार की 'आयुष्मान वय वंदना' योजना ने एक बड़ा मील का पत्थर पार किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को राज्यसभा में जानकारी दी कि 31 दिसंबर 2025 तक देश भर में 96 लाख से अधिक आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके हैं। अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें उनकी आर्थिक स्थिति या आय का कोई बंधन नहीं है। लिखित उत्तर के माध्यम से मंत्री जाधव ने बताया कि योजना की पहुंच और प्रभाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिसंबर 2025 के अंत तक अस्पताल में भर्ती होने के 10.33 लाख मामलों को मंजूरी दी गई। इन उपचारों पर सरकार ने अब तक कुल 2,154.37 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह योजना गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बुजुर्गों की जेब पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को पूरी तरह खत्म कर रही है।

अस्पतालों का विशाल नेटवर्क और सुविधाएँ

योजना की पहुंच को सुगम बनाने के लिए सरकार ने निजी और सरकारी अस्पतालों का बड़ा नेटवर्क तैयार किया है। वर्तमान में 33,000 से अधिक अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं। इनमें 15,733 निजी अस्पताल शामिल हैं, जहाँ आयुष्मान कार्ड धारक मुफ्त इलाज करा सकते हैं। आयुष्मान भारत (AB-PMJAY) के तहत प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य कवरेज प्रदान किया जाता है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई ने दर्ज किया मामला

एजेंसी । नई दिल्ली/देहरादून

उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग कर रहे लोगों के लिए एक बड़ी खबर आई है। उत्तराखंड सरकार की सिफारिश पर अमल करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) की दिल्ली स्थित स्पेशल क्राइम ब्रांच (ब्रांच-2) ने इस मामले में कथित 'वीआईपी' (VIP) के खिलाफ औपचारिक रूप से मुकदमा दर्ज कर लिया है। ऋषिकेश के वनतरा रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट रहीं अंकिता की सितंबर 2022 में हुई हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था, और अब सीबीआई इस मामले के सबसे बड़े रहस्य—उस 'वीआईपी' की पहचान—से पर्दा उठाएगी।

ऑडियो ने फिर सुलगाई चिंगारी

यह मामला दो साल बाद एक बार फिर तब गरमाया जब भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उनकी कथित पत्नी उर्मिला सनावर के बीच एक ऑडियो और सोशल मीडिया वीडियो वायरल हुए। उर्मिला सनावर ने फेसबुक लाइव के दौरान अंकिता हत्याकांड में एक प्रभावशाली 'वीआईपी' की संलिप्तता का सीधा जिक्र किया था। इन खुलासों के बाद उत्तराखंड में जन आक्रोश फूट पड़ा और राज्यभर में सीबीआई जांच के लिए विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए। जनता के बढ़ते दबाव को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 9 जनवरी को इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की थी।

विधानसभा में प्रस्ताव लाकर मनरेगा बहाल करने की मांग

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में प्रस्ताव लाकर केंद्र से वीबी-जी राम जी कानून को तुरंत रद्द करने और मनरेगा को बहाल करने की मांग की। प्रस्ताव का भाजपा ने कड़ा विरोध किया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि नया कानून संघीय ढांचे के खिलाफ है, राज्य के खजाने पर भारी बोझ डालता है और ग्राम पंचायतों के अधिकार छीनता है। उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए 'संजीवनी' रहा है। प्रस्ताव पढ़े जाने के दौरान विपक्षी भाजपा विधायकों ने आपत्ति जताई। नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कहा कि प्रस्ताव में 'यह सदन विरोध करता है' की जगह 'सरकार विरोध करती है' लिखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष चर्चा के दौरान अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकता है।

कोच्चि में चलेंगी देश की पहली हाइड्रोजन से संचालित बसें

हवाई अड्डे पर ऐसी तीन बसें चलाने का फैसला

एजेंसी । कोच्चि

देश की पहली हाइड्रोजन से संचालित बसें कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (सीआईएएल) पर शुरू की जाएंगी। विमानन क्षेत्र में स्वच्छ और हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है। इसके लिए केरल हाइड्रोजन वैली इनोवेशन क्लस्टर फाउंडेशन और सीआईएएल के बीच एक फरवरी को समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान हुआ, जिसके तहत कोच्चि हवाई अड्डे पर तीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक बसों की खरीद और संचालन का निर्णय लिया गया। यह परियोजना केंद्र सरकार की राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत केरल हाइड्रोजन वैली पहल का हिस्सा है।

परियोजना पर 8.7 करोड़ रुपये का निवेश

समझौते के अनुसार, बसों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता केरल हाइड्रोजन वैली फाउंडेशन की ओर से दी जाएगी, जिसमें प्रति बस अधिकतम 2.90 करोड़ रुपये की सीमा तय की गई है। कुल परियोजना लागत करीब 8.7 करोड़ रुपये होगी, जिसे चरणबद्ध तरीके से जारी किया जाएगा। इस पहल से हवाई अड्डे पर कार्बन उत्सर्जन में कमी आने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

आर्टेमिस-2

हाइड्रोजन लीक ने बिगाड़ा खेल, अब करना होगा मार्च तक इंतजार

नासा के मून मिशन पर फिर लगा 'ब्रेक'

एजेंसी । नई दिल्ली

चांद पर इंसानों को फिर से भेजने की तैयारी कर रहे नासा के बड़े मिशन आर्टेमिस-II को फिलहाल टाल दिया गया है। लॉन्च से पहले किए जा रहे ईंधन परीक्षण के दौरान हाइड्रोजन लीक मिलने के बाद एजेंसी ने मिशन की तारीख आगे बढ़ा दी है। अब यह मिशन फरवरी की जगह मार्च में लॉन्च किया जाएगा। नासा ने साफ कहा है कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नासा चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर चांद की कक्षा तक जाने वाले इस मिशन की तैयारी कर रहा है। यह उड़ान फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से होनी थी। पहले लॉन्च की तारीख 6 फरवरी रखी गई थी। खराब मौसम के कारण इसे 8 फरवरी किया गया, लेकिन बाद में फ्यूलिंग टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी सामने आने पर लॉन्च विंडो ही बदल दी गई।

टेस्ट के दौरान कौन-कौन सी बातें सामने आईं?

- काउंटडाउन लगभग पांच मिनट पहले अपने आप रुक गया।
- हाइड्रोजन लीक की दर अचानक बढ़ गई थी।
- ओरियन क्रू मॉड्यूल हैच से जुड़ा नया वाल्व फिर से कसना पड़ा।

नासा ने लॉन्च टालने पर क्या कहा?

नासा प्रशासन ने कहा कि फरवरी की लॉन्च विंडो बंद कर दी गई है और अब मार्च सबसे पहले संभव लॉन्च समय होगा। एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यात्री, सिस्टम और आम लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

फ्यूलिंग टेस्ट में आखिर क्या गड़बड़ी मिली?

दो दिन तक चले वेट ड्रेस रिहर्सल टेस्ट में स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट में क्रायोजेनिक ईंधन भरा गया। यह असली लॉन्च से पहले पूरी प्रक्रिया की रिहर्सल होती है। टेस्ट के दौरान टेल सर्विस मास्ट अंबिलिकल इंटरफेस पर लिक्विड हाइड्रोजन का रिसाव दर्ज हुआ। काउंटडाउन आखिरी चरण में था, तभी लीक रेट बढ़ गया। सिस्टम ने अपने आप काउंटडाउन रोक दिया। इंजीनियरों ने कई घंटे तक दिक्कत दूर करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

600-1000% मुनाफा कमा रहीं दवा कंपनियां : मालीवाल

एजेंसी । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कुछ दवाई कंपनियों द्वारा की जाने वाली मुनाफाखोरी पर सदन में सरकार से सवाल किया। उन्होंने पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा- कुछ फार्मा कंपनियां दवाइयों पर 600- 1100% तक मुनाफा कमा रही हैं। क्या सरकार इसके लिए कोई स्ट्रॉंग रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाएगी, जिससे ये मुनाफाखोरी बंद हो। स्वाति मालीवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर सदन में पूछे गए सवाल का वीडियो शेयर करते हुए लिखा- "कुछ प्राइवेट फार्मा कंपनियाँ ब्रांडेड दवाइयों पर 600% से 1000% तक मुनाफ़ा कमा रही हैं। यह कोई आरोप नहीं, बल्कि संसद की समिति की रिपोर्ट में दर्ज तथ्य है। जहाँ वही दवा generic रूप में 80-90% सस्ती मिल सकती है, वहीं सिर्फ ब्रांड के नाम पर आम आदमी से कई गुना कीमत वसूली जा रही है।"

सात वर्ष में 7,400 से अधिक नक्सली गिरफ्तार

2010 से 2025 के बीच हिंसा की घटनाओं में 88% की आई भारी कमी

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर एक अत्यंत सकारात्मक तस्वीर पेश की है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन को सूचित किया कि दशकों से देश के लिए नासूर बना वामपंथी उग्रवाद (LWE) अब अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने दावा किया कि मार्च 2026 तक भारत से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। सरकार के अनुसार, सुरक्षा बलों की मुस्तैदी और कड़े नीतिगत फैसलों के कारण

हिंसा की घटनाओं में 2010 के मुकाबले 88 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है।

आंकड़ों में नक्सलियों पर प्रहार

सरकार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह वर्षों में नक्सलियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने में बड़ी सफलता मिली है। 7,400 से अधिक नक्सली सलाखों के पीछे भेजे गए। 5,880 नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। अकेले पिछले वर्ष सुरक्षा बलों ने 364 नक्सलियों को ढेर किया, 1,022 को गिरफ्तार किया और रिकॉर्ड 2,337 नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराया।